तापमान
अधिकतम 38 .5 डिग्री
न्यूनतम 19 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 4 अक्टूबर 2026

12 1,36,101 क्विंटल धान की हुई आवक 56,272 ...



12 प्लास्टिक को कहा न, पर्यावरण संरक्षण का ..



खबर संक्षेप

269 ग्राम हेरोइन के साथ तीन युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल और कलानौर पुलिस चौकी टीम ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को 269 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया। एंटी नारकोटिक सेल ने विजय कॉलोनी से बिरजू को 255 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा। पुलिस के अनुसार आरोपी नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में घूम रहा था। वहीं, कलानौर पुलिस चौकी टीम ने नेशनल हाइवे-344 पर नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार मोहित कुमार और गौरव शर्मा को रोककर तलाशी ली। दोनों के कब्जे से 14 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

घर से चुराई नकदी और चांदी की माला

यमुनानगर। शहर के पुराना हमीदा में चोरों ने घर में घुसकर अलमारी का लॉकर में रखे सात हजार रुपये व चांदी की माला चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुराना हमीदा निवासी पूनम ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक अक्टूबर को वह किसी काम से घर से बाहर गई थी। दो अक्टूबर को जब वह घर आई तो घर का लगा ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिक रहा था। जांच करने पर घर से अलमारी में रखे सात हजार रुपए व अहोई माता की चांदी की माला गायब मिली। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

शादी का झांसा देकर महिला को किया अगवा

यमुनानगर। व्यासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक शादी का झांसा देकर महिला को अगवा करके ले गया। पुलिस ने महिला के पति की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। व्यासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 26 वर्षीय पत्नी 30 सितंबर को दोपहर साढ़े 12 बजे किसी काम से घर से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी पत्नी को अभिषेक शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है। उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपीय अभिषेक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

लिंक पर क्लिक करते ही खाते से 93,473 रुपये निकले

यमुनानगर। गुमथला राम निवासी रामेश्वर साइबर ठगी का शिकार हो गया। साइबर ठगों ने उसके मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से लिंक भेजा। रामेश्वर ने लिंक पर क्लिक किया तो मोबाइल हैक हो गया और उसके बैंक खाते से 93,473 रुपये निकाल लिए गए। खाते से रकम निकलने का मैसेज आने पर उसे ठगी का पता चला। उसने मामले की सूचना साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी।

विदेश में जानकार बन कर चार लाख रुपये ठगे

यमुनानगर। गांव मंडेबर निवासी गुरमेल सिंह से ठगों ने विदेश में रहने वाले जानकार बनकर चार लाख रुपये ठग लिए। गुरमेल सिंह ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 सितंबर को उसके मोबाइल पर विदेशी नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को उसका जानकार बताया और पैसों की जरूरत होने की बात कही। उसने विश्वास कर बताए गए खाते में चार लाख रुपये जमा करवा दिए। इसके बाद आरोपी ने दोबारा फोन कर और पैसे मांगे। शक होने पर गुरमेल ने विदेश में रहने वाले अपने वास्तविक जानकार से संपर्क किया। उसने किसी तरह की रकम मांगने से इनकार किया।

काम और नौकरी नहीं मिलने को लेकर परेशान था युवक

घर के अंदर युवक की मौत, फंदे से लटका मिला नवीन का शव

पत्नी का दिल्ली में चल रहा है उपचार, परिवार का ज्यादातर समय वहीं बीतता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल जिले के सैदपुरा क्षेत्र में घर के अंदर 26 वर्षीय युवक नवीन कुमार की मौत हो गई। घटना का पता उस समय चला जब उसके पिता गौरी शंकर हिसार से वापस घर पहुंचे। दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद खिड़की तोड़कर अंदर जाने पर नवीन फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। नवीन के पिता गौरी शंकर ने बताया कि नवीन मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। वह काम और नौकरी नहीं मिलने को लेकर भी चिंतित रहता था। परिवार के अनुसार उसकी पत्नी की तबीयत खराब रहती है और उसका उपचार दिल्ली में चल रहा है। इसी कारण परिवार का काफी समय दिल्ली में ही बीतता है। नवीन सैदपुरा में रहता था, जबकि उसका दूसरा बेटा दिल्ली में रहता है।



पिता के हिसार से लौटने पर सामने आई घटना

गौरी शंकर के अनुसार वह किसी काम से हिसार गए हुए थे। वापस सैदपुरा स्थित घर पहुंचने पर उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद उन्होंने खिड़की तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया। अंदर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि उनका बेटा नवीन फंदे से लटका हुआ था। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्पेन में सीने में दर्द से करनाल के युवक की मौत

शादी की तैयारियों के बीच परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल जिले के महमल गांव निवासी 28 वर्षीय रविंद्र की स्पेन में अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रविंद्र को अचानक सीने में दर्द हुआ। उसके साथी उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार को फोन पर उसकी मौत की सूचना मिली तो घर में मातम छा गया। रविंद्र परिवार का इकलौता बेटा था और करीब 11 साल पहले रोजगार के लिए स्पेन गया था। वहां उसके स्थायी निवास की प्रक्रिया चल रही थी। परिवार के अनुसार रविंद्र की जल्द ही शादी करने की तैयारी थी और उसके लिए लड़की देखने की बात चल रही थी। परिवार को उसके भविष्य और शादी को लेकर काफी उम्मीदें थीं, लेकिन अचानक हुई मौत से सभी उम्मीदें टूट गईं। रविंद्र के चाचा गुरमीत सिंह ने बताया कि उसके पिता गुरमुख सिंह पिछले कई वर्षों से जर्मनी में रह रहे हैं। मौत की सूचना मिलने के बाद वह जर्मनी से स्पेन के लिए रवाना हो गए हैं।



रविंद्र

शव लाने की प्रक्रिया शुरू

परिवार की ओर से रविंद्र का शव भारत लाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। परिजनों ने सरकार से भी शव जल्द भारत लाने में सहयोग की अपील की है, ताकि परिवार उसे अंतिम विदाई दे सके। गांव में भी रविंद्र की मौत की खबर से शोक का माहौल है।

तीन बच्चों के पिता ने की आत्महत्या

विवाद के बाद पत्नी पुलिस चौकी गई थी

- पत्नी का आरोप, शराब के नशे में करता था मारपीट
- एक घंटे बाद लौटी तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी की हाउसिंग बोर्ड में में घरेलू कलह के चलते तीन बच्चों के पिता घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी के मुताबिक, पति शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था। आत्महत्या से पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद महिला तीनों बच्चों को साथ लेकर पति की शिकायत करने पुलिस चौकी चली गई। करीब एक घंटे बाद जब वह घर लौटी तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला।

दरवाजा तोड़कर बेटी को अंदर भेजा गया, तो 27 साल का बबलू चुन्नी से पंखे पर फंदा लगाकर लटका मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कैंट नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की जाएगी। बबलू अपनी पत्नी सुमन और तीन बच्चों के साथ हाउसिंग बोर्ड में किराए के कमरे में रहता था। वह सुभाष पार्क के बाहर गुब्बारे बेचकर परिवार का खर्च चलाता था। उसकी शादी करीब 11 साल पहले हुई थी। दंपती के तीन बच्चे हैं। इनमें 10 साल की हिमांशी, 5 साल की शांति और 3 साल का अर्चित शामिल हैं। बबलू चार भाइयों में से एक था।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि बबलू मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा था। हालांकि उसकी मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगी। बबलू की पत्नी सुमन ने बताया कि करीब एक साल पहले भी पति ने शराब के नशे में फंदा लगाने की कोशिश की थी। उस समय परिवार के लोगों ने किसी तरह उसे बचा लिया था। इसके बाद उसे उम्मीद थी कि वह दोबारा ऐसा कदम नहीं उठाएगा। सुमन ने बताया कि उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसके पीछे पति फिर से फंदा लगा लेगा।

ट्रेन से गिरने की आशंका

अंबाला में रेलवे ट्रैक से मिला प्रवासी युवक का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी व शहर रेलवे स्टेशन के बीच शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव मिला। स्टेशन मास्टर की सूचना पर अंबाला शहर रेलवे स्टेशन की जीआरपी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव की तलाशी लेने के साथ घटनास्थल की तस्वीरें लीं। मृतक की जेब से लुधियाना से लखनऊ का जनरल टिकट मिला है। पुलिस के अनुसार, टिकट 2 अक्तूबर की रात 2:10 बजे लुधियाना से रवाना होने वाली ट्रेन का है। चौकी इंचार्ज यशपाल ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 8 बजे स्टेशन मास्टर से सूचना मिली थी कि रेलवे ट्रैक के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव की तलाशी ली तो जेब से 60 रुपए नकद, एक मोबाइल फोन और लुधियाना से लखनऊ का जनरल टिकट मिला। मोबाइल की स्क्रीन टूटी हुई थी। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के रायबरेली के युवक के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 30 से 35 साल बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक लुधियाना में रहकर काम करता था। लुधियाना से अपने घर रायबरेली जा रहा था। इसी दौरान अंबाला में रेलवे ट्रैक के पास उसका शव मिला। चौकी इंचार्ज यशपाल ने बताया कि मौके पर जांच और तलाशी की कार्रवाई के बाद अंबाला शहर के सिविल अस्पताल में सूचना दी गई। इसके बाद शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है। उनके पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर युवक की मौत ट्रेन से गिरने के कारण होने का अंदेशा है। मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा।

बाइक और मोबाइल चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार, 11 फोन बरामद

- आरोपियों की पहचान सागर निवासी पुगथला, दीपक निवासी मोई, सोनीपत और विजय निवासी चावला कॉलोनी के रूप में हुई है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

एंटी एक्सटॉर्शन सेल पुलिस ने बाइक और मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक, उसकी आरसी और 11 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपियों की पहचान सागर उर्फ छोटू निवासी पुठाथला, दीपक निवासी मोई, सोनीपत और विजय निवासी चावला कॉलोनी के रूप में हुई है। एंटी एक्सटॉर्शन सेल प्रभारी सब इंस्पेक्टर गौरव ने बताया कि शुक्रवार शाम पुलिस टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि तीन संदिग्ध युवक एचएफ डीलक्स बाइक पर बलजीत नगर नाका के पास पावर हाउस के नजदीक घूम रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों को काबू कर बाइक के कागजात मांगे। संतोषजनक जवाब नहीं देने पर पूछताछ की गई तो उन्होंने बाइक चोरी करने की बात कबूल की।

शादी का झांसा देकर 25 लाख के गहने ठगने का आरोप

खुद को एसटीएफ अधिकारी बताया

- शादी .कॉम के जरिए संपर्क में आया था आरोपी
- मोहाली में 80 करोड़ की प्रॉपर्टी सील होने का दिया था झांसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

शादी का सपना दिखाकर लाखों की ठगी और घर के गहने साफ करने का एक मामला सामने आया है। बीडी फ्लोर मिल के रहने वाले नानक चंद की शिकायत पर पुलिस ने उनकी बेटी रितु और उसके कथित प्रेमी विद्युत उर्फ विशाल के खिलाफ 22 से 25 लाख रुपये के जेवर चोरी करने व धोखाधड़ी का आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। दरअसल शादी.कॉम के जरिए रितु के संपर्क में आए आरोपी विद्युत ने खुद को जालंधर एसटीएफ का अधिकारी बताया था। उसने मोहाली में 80 करोड़ की प्रॉपर्टी सील होने का झांसा देकर परिवार को झांसे में लिया। बाद में दोनों ने साजिश रचकर परिवार के सदस्यों से ओटीपी हासिल किए और लोन ले लिया। मामले का खुलासा 22 अगस्त को तब हुआ जब घर में समारोह के दौरान अलमारी और दीवान बेड से 7 तोले सोने के गहने और 23 तोले चांदी की पाजेब गायब मिलीं। रितु से सख्ती से पूछताछ करने पर उसने कबूला कि गहने चोरी कर चंडीगढ़ स्थित पूनावाला फाइनेंस में गिरवी रख दिए हैं। आर्थिक अपराध शाखा की जांच के बाद थाना महेश नगर में दोनों आरोपियों के खिलाफ घर में चोरी 305 व साजिश 61(2) के तहत केस दर्ज किया है।

राइस मिल में बोरी उठाते समय मजदूर गिरा, इलाज के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

पिहोवा में राइस मिल में चावल की बोरी उठाते समय संतुलन बिगड़ने से 31 वर्षीय मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। सिर के पिछले हिस्से में चोट लगने के बाद वह बेहोश हो गया। पिहोवा के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे एलएनजेपी अस्पताल कुरुक्षेत्र रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव जानकीनगर, जिला मधुबनी (बिहार) निवासी नित्यानंद सदाय के रूप में हुई है। वह रेनबो राइस मिल में मजदूरी करता था। बताया गया कि नित्यानंद करीब दो दिन पहले ही बिहार से मिल में काम करने आया था।

एक दिन आराम करने के बाद अगले दिन काम के दौरान हादसे का शिकार हो गया। उसके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। पुलिस को दिए बयान में नित्यानंद के भतीजे मोहन कुमार सदाय ने बताया कि वह भी इसी राइस मिल में मजदूरी करता है। रात करीब 10 बजे उसे चाचा के घायल होने की जानकारी मिली। दोनों मजदूर बोरियां अंदर ले जा रहे थे। इसी दौरान बोरी उठाते समय नित्यानंद का संतुलन बिगड़ गया और वह बोरी समेत ईंटों के फर्श पर गिर पड़ा। गिरने से नित्यानंद के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट लगी इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।



पिहोवा। पोस्टमार्टम हाउस पर कार्रवाई करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

अंबाला में एसएचओ को घेरकर पीटा, वर्दी फाड़ी, गर्दन में चाकू घोंपे

इयूटी से लौटते वक्त झगड़ा देख कार रोकी, युवक को छुड़ाने की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

निजी कार से घर लौट रहे एसएचओ नग्गल सुरेश कुमार पर युवकों ने हमला कर दिया। एसएचओ पर हमलावरों ने जमकर लाठी-डंडों और चाकू से वार किए। उनकी वर्दी तक फाड़ डाली। इस हमले में एसएचओ बुरी तरह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। एसएचओ पर हमला होने की सूचना के तुरंत बाद ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एसएचओ को सिविल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए चंडीगढ़ रेफर कर दिया। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में सामने आया है कि हमलावर निजी रेस्टोरेंट के पास एक युवक को पीट रहे थे। एसएचओ ने कार से उतरकर उसे बचाने की कोशिश की। हमलावर युवक को छोड़ एसएचओ पर ही हमला कर दिया। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक एसएचओ की गर्दन, कलाई, अंगूठे और सिर पर गंभीर चोटें आईं। गर्दन पर 5 टांके आए हैं। पूर्व मंत्री असीम गोयल ने अस्पताल पहुंच कर एसएचओ को हाल जाना। पुलिस के मुताबिक नग्गल थाने के एसएचओ सुरेश कुमार पर यह जानलेवा हमला शुक्रवार रात करीब 11 बजे हुआ। उस वक्त थाना प्रभारी थाने से अपनी निजी कार में कमरे पर लौट रहे थे। गांव मटेहड़ी में मिस्टर सिंह रेस्टोरेंट के पास उन्होंने कुछ युवकों को एक व्यक्ति के साथ मारपीट करते देखा। सुरेश कुमार ने कार रोककर बीच-बचाव किया तो हमलावरों ने उस व्यक्ति को छोड़कर उन पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर डीएसपी हेडक्वार्टर विजय कुमार, पूर्व मंत्री असीम गोयल और भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप सिंह राणा भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल थाना प्रभारी का हाल जाना और डॉक्टरों से उनकी स्थिति की जानकारी ली।



अंबाला। हमले में जख्मी एसएचओ सुरेश कुमार।

अंबाला में 109 केस दर्ज, 7.24 किलो से ज्यादा हेरोइन भी जब्त

नशा तस्करों पर शिकंजा, 9 माह में 253 गिरफ्तार

- तीन साल में 196 मुकदमे, 402 आरोपी गिरफ्तार
- तीन नाइजीरियाई नागरिकों समेत कई बड़े तस्कर पकड़े
- नशे की कमाई से बनाए 12 मकान पुलिस ने किए सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अलग खबर

पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने इस वर्ष (1 जनवरी 2026 से 2 अक्तूबर 2026 तक) 253 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। बीते तीन वर्षों में पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ निरंतर अभियान चलाते हुए कुल 196 मुकदमे दर्ज कर 8 किलो 850 ग्राम हेरोइन बरामद की। कुल 402 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा। इस दौरान कमर्शियल मात्रा के कुल 11 मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष 2023 में 76 मामले दर्ज 2 किलो 698 ग्राम हेरोइन जब्त की थी जबकि 150 आरोपी गिरफ्तार किए थे। इनमें 3 कमर्शियल मात्रा के मामले भी शामिल थे। इसी तरह वर्ष 2024 में नशा तस्करी के 47 मामले दर्ज कर पुलिस ने 1 किलो 900 ग्राम हेरोइन जब्त कर 89 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें 3 कमर्शियल मात्रा के मामले शामिल थे। 2025 में पुलिस ने 73 मामले दर्ज कर 4 किलो 216 ग्राम हेरोइन जब्त कर 163 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें 5 कमर्शियल मात्रा के मामले भी थे। इस वर्ष केवल 9 महीनों के भीतर ही पुलिस ने नशा तस्करों के नेटवर्क को बुरी तरह तहस-नहस कर दिया है। कुल 109 केस दर्ज कर 7 किलो 242 ग्राम 467 मिलीग्राम हेरोइन जब्त की गई। इन केसों के सिलसिले में 253 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इनमें कमर्शियल मात्रा के मुकदमे 8 मामले शामिल हैं।

सबसे बड़ा तस्कर किया काबू



पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए और एएनसी स्टाफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस साल कई बड़े तस्करों को दबोचा है। इसमें डेहा कॉलोनी का आरीमन भी शामिल है। उसे सीआईए-2 ने 1 किलो हेरोइन के साथ दबोचा था। इसके अलावा डेहा कॉलोनी के ही बंटी उर्फ बादल को भी पुलिस ने 806 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। यही नहीं पुलिस ने समीर, मुकेश, आर्यन, धीरज तथा अमित को भी को 840.93 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, जड़ौत रोड (बलदेव नगर) से एक महिला तस्कर (708 ग्राम हेरोइन), जोहन (270 ग्राम हेरोइन), दलीप कुमार (209 ग्राम हेरोइन), जतिन (150 ग्राम हेरोइन) और बलजीत सिंह (141 ग्राम हेरोइन) को भी पकड़ा है।

तीन विदेशी नागरिक भी गिरफ्तार

पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट पर प्रहार करते हुए 3 नाइजीरियाई नागरिकों (एक महिला सहित) को गिरफ्तार किया है। ओगोचुक्वू स्टीफेन उर्फ जोहान उर्फ टैंगो को (102.5 ग्राम हेरोइन तस्करी में काबू किया गया है जबकि मबाचा इकेचुक्वू डेविड (294 ग्राम ड्रग्स) एक नाइजीरिया मूल की महिला को 306.5 ग्राम हेरोइन के साथ काबू किया है।

नशे के नेटवर्क का खुलासा

पुलिस ने पंजाब की होशियारपुर जेल से नशा तस्करी का नेटवर्क चलाने वाले कुख्यात तस्कर पुनीत उर्फ गोला तथा उसके साथियों हिमांशु, गौरव और रोहित को भी गिरफ्तार कर नशे के नेटवर्क का खुलासा किया। डेहा कॉलोनी से कई महिला तस्करों को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। नशा बेचकर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने वाले अपराधियों पर कड़ा एक्शन लेते हुए पुलिस ने डेहा कॉलोनी में 12 मकानों को सील किया गया है।

पिछले साल की तुलना में पीआर धान की आवक कम



हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

घरौंडा की नई अनाज मंडी में इस वर्ष पिछले साल की तुलना में पीआर धान की आवक काफी कम है। तीन अक्टूबर तक मंडी में करीब 41 हजार क्विंटल धान की आवक हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि तक करीब डेढ़ लाख क्विंटल धान मंडी में पहुंच चुका था। इस तरह इस वर्ष अब तक पिछले साल के मुकाबले लगभग 30 प्रतिशत ही धान की आवक हुई है। नई अनाज मंडी में धान की सरकारी खरीद के लिए तीन एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन एजेंसियों ने पिछले चार दिनों से धान की खरीद शुरू कर रखी है। अब तक सरकारी एजेंसियों की ओर से करीब 3578 क्विंटल धान की खरीद की गई है, जबकि प्राइवेट एजेंसी ने लगभग 2410 क्विंटल धान खरीदा है।मापदंडों को लेकर किसानों को परेशानी हो रही है। मार्केट कमेटी सचिव सुनील कुमार ने बताया कि इस वर्ष मंडी में धान की आवक पिछले साल की तुलना में कम है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष सरकारी स्तर पर धान की खरीद 22 सितंबर से शुरू हो गई थी।

धान खरीद पर सियासी खेल

पक्ष बोला पास, विपक्ष ने बताया फेल

प्रदेश की अनाज मंडियों में किसानों को नहीं आने दी जाएगी कोई परेशानी: श्याम सिंह राणा

हरियाणा के कृषि मंत्री ने छछरौली अनाज मंडी का किया निरीक्षण, किया चाक-चौबंद व्यवस्था का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की फसलों का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उक्त शब्द छछरौली अनाज मंडी में धान खरीद का निरीक्षण करते हुए कहे। उन्होंने अधिकारियों को संबंधित अधिकारियों को धान खरीद में किसानों को कोई भी परेशानी नहीं आने देने के लिए निर्देश दिए। मौके पर उन्होंने अनाज मंडी में सफाई व्यवस्था, पेयजल व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में किसानों की मेहनत और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने धान खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी तथा खरीद के साथ साथ फसल के समय पर उठान पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में धान की आवक बढ़ने की स्थिति में भी व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहें और किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। उन्होंने आढ़तियों व शैलर संचालकों से खरीद प्रक्रिया में प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान किया।



यमुनानगर। छछरौली अनाज मंडी में धान खरीद का निरीक्षण करते प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

मौके पर छछरौली के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, डीएफएससी नितिश सिंगला, मार्केट कमेटी छछरौली के चेयरमैन कैलाश चंद शर्मा, मार्केट कमेटी सचिव अनिल पुरषार्थी, मार्केट कमेटी वाइस चेयरमैन योगेश अग्रवाल, जिला मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग,मंडल अध्यक्ष गौरव गोयल, वाइस चेयरमैन रामजतन डमौली, वरिष्ठ भाजपा नेता गुलशन अरोड़ा व वाइस चेयरमैन सुभाषचंद पोली आदि मौजूद रहे।

किसानों के हित का पूरा ख्याल



रादौर। अनाज मंडी में धान खरीद का निरीक्षण करते भाजपा के वरिष्ठ नेता नेपाल सिंह राणा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

रादौर। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा के सुपुत्र एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नेपाल सिंह राणा व मार्केट कमेटी के चेयरमैन रुपेंद्र सिंह मल्ली ने रादौर की अनाज मंडी में धान खरीद का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से किसानों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में बातचीत की। राणा ने किसानों से भी बातचीत की। इसके बाद उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसान हित के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता किसानों की फसल की सुचारू एवं पारदर्शी खरीद सुनिश्चित करना है। किसानों को मंडी में अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने किसानों से अपनी धान की फसल को अच्छी तरह सुखाकर ही मंडी में लेकर आने की अपील की। ताकि खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। राणा ने किसानों से पराली न जलाने की अपील करते हुए कहा कि फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने से मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। उन्होंने किसानों में पराली प्रबंधन को लेकर बढ़ रही जागरूकता की सराहना की। इस अवसर पर मार्केट कमेटी रादौर के चेयरमैन रूपिन्द्र सिंह ने कहा कि किसानों के लिए पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता, फसल के समय पर उठान और भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने मंडी में किसानों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद सीजन के दौरान किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि मंडियों में खरीद एवं उठान की प्रक्रिया आपसी समन्वय के साथ सुचारू रूप से संचालित होनी चाहिए।

■ खेत में पराली न जलाने की अपील



यमुनानगर। जगाधरी की नई अनाज मंडी में धान खरीद का जायजा लेते इनेलो के प्रदेश महासचिव व अन्य नेता।

एमएसपी पर नहीं खरीद रहे धान: महीपाल

धान में नमी और अन्य कारण बताकर औने-पौने दाम खरीद जा रही उपज, किसान मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेश महासचिव महीपाल भगवानगढ़ ने अन्य पार्टी नेताओं के साथ जगाधरी की नई अनाज मंडी का दौरा कर धान की खरीद का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों और आढ़तियों की समस्याओं को भी सुना। उन्होंने आरोप लगाया कि अनाज मंडियों में किसानों की धान को एमएसपी पर नहीं खरीदकर औने पौने दामों में खरीदा जा रहा है। जिसे इनेलो कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि अनाज मंडियों में नमी की मात्रा बताकर या फिर अन्य कारण बताकर किसानों से कम मूल्य पर धान की खरीद की जा रही है। भाजपा सरकार एक तरफ फसलों को एमएसपी पर खरीदने के दावे करके ढोंग कर रही है। वहीं, किसान अपनी धान की फसल बेचने के लिए पहुंचता है तो उसे विभिन्न कारण बताकर उसकी फसल को कम मूल्य पर खरीदकर उसका शोषण किया जा रहा है। मौके पर इनेलो अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष जाहिद खान ने कहा कि किसान की फसल का एक एक दाना एमएसपी पर खरीदना सरकार की जिम्मेदारी है। किसानों के हक के साथ किसी भी तरह का समझौता इनेलो बर्दाश्त नहीं करेगा। इस अवसर पर इनेलो प्रदेश प्रवक्ता अर्जुन सुढ़ैल ने सरकार द्वारा गेहूं के मूल्य में कुल 25 रुपये की बढ़ोतरी को ऊंट के मुंह में जीरा बताया।

किसानों को लगाया जा रहा चूना

महीपाल ने कहा कि खेद की बात तो यह है कि अभी तक अधिकांश किसानों के पोर्टल भी वेरीफाई नहीं किए गए हैं। जिससे किसानों को अपनी धान की फसल को बेचने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश महासचिव महीपाल ने कहा कि किसान के खेत से जब अनाज मंडी में धान पहुंचती है तो वह पकने के बाद पहुंचती है। फिर उसमें नमी बताकर क्यों किसानों को प्रति एकड़ कई कई हजार रुपये का चुना लगाया जा रहा है। उन्होंने सरकार से अनाज मंडियों में कम मूल्य पर धान की खरीद करने का शोषण बंद किए जाने की मांग की।

ये रहे मौजूद

मौके पर इनेलो के जिला प्रधान रोशन लाल, सुरेश शर्मा, सुभाष खुर्दबन, सर्वप्रिय जठलाना, मांगेराम गुदयानी, मंगत राम सैनी, सुनील कांबोज, राजेश कश्यप, जगदीश माग, नूर मोहमद, धर्मजीत सरौली, मानचंद लाठर, देवीदयाल लेदी, गुरुदयाल शेरपुर, जगदीश मान व देवेंद्र संधु आदि मौजूद रहे।



रितेश को मिला स्टूडेंट बिल्डर ग्रुप में प्रतिष्ठित रिकाग्निशन पुरस्कार

रादौर। जेएमआईटी इंजीनियरिंग कालेज रादौर के बी.टैक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष के छात्र रितेश ने एडब्ल्यूएस स्टूडेंट बिल्डर ग्रुप लीडर और एडब्ल्यूएस स्टूडेंट बिल्डर कैंपस एंबेसडर के रूप में प्रतिष्ठित रिकॉग्निशन पुरस्कार प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के साथ रितेश को 1 लाख दस हजार रूपये का इम्प्रेसिव स्टाइपेंड भी प्राप्त हुआ है। संस्थान के निदेशक डॉ. एसके गर्ग ने बताया कि छात्र रितेश की यह उपलब्धि उनकी टेक्निकल एक्सीलेंस, लीडरशिप कैपेबिलिटी, डेडिकेशन और इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के प्रति पैशन को दर्शाती है। प्रतिष्ठित एडब्ल्यूएस टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म पर मिला यह रिकॉग्निशन उनकी प्रतिभा और क्षमता को उजागर करता है।

प्राइवेट स्कूल एसो. रादौर के प्रधान बने ईश मेहता

■ इंडियन पब्लिक स्कूल रादौर में हुई प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की खंडस्तरीय बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन रादौर की खंडस्तरीय बैठक का आयोजन कस्बा के इंडियन पब्लिक स्कूल में किया गया। बैठक में नई खंडस्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन रादौर की कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से ईश मेहता को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जबकि मास्टर साहब सिंह राणा नाचरौन को उपप्रधान, सुरेश कांबोज को सचिव, यशपाल बकाना को कोषाध्यक्ष व अशोक धीमान बैंड़ी को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलवाकर कार्यभार सौंपा गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ईश मेहता ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेवारी दी गई है। वह उसका पूरी निष्ठा से पालन करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और एसोसिएशन के सदस्यों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने का आश्वासन दिया। मौके पर नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने निजी स्कूलों से जुड़े मुद्दों को मिल जुलकर उठाने पर सहमति जताई। बैठक में स्कूलों के सामने आ रही विभिन्न समस्याओं पर भी विस्तार से विचार विमर्श किया गया। सदस्यों ने समस्याओं का आपसी सहयोग एवं समन्वय से समाधान करने की बात कही तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। इस अवसर पर कपिल मेहता, राजेश कांबोज. डॉ. सुदेश बंसल, डॉ. देवेंद्र ढांडा, अरविंद कांबोज, सुशील, परविन्द्र, रमन शर्मा प्रिंसिपल, नरेंद्र सैनी, संजय सैनी, बाल किशन, सुशील कुमार, सुनील कुमार, मलखान, नरेंद्र सैनी जगुड़ी, अंकित, बलिन्द्र, कुलदीप शास्त्री, विपिन कुमार व मुकेश शास्त्री आदि मौजूद रहे।



रादौर। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक में भाग लेते हुए सदस्य। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी



रादौर में गोगा माड़ी मेले का हुआ समापन

रादौर। प्राचीन एवं ऐतिहासिक गोगा माड़ी पर पिछले आठ दिन से चल रहे मेले का विधिवत समापन हो गया। समापन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने गोगा माड़ी में प्रसाद चढ़ाया और पूजा अर्चना करके अपनी व अपने परिवार की सुख स्मृद्धि के लिए कामना की। गोगा मेडी के पुजारी अनिल, बाबू, तरुण, गुलशन, सुनील, सोनी, सचिन व नितिन आदि ने बताया कि रादौर में प्राचीन जाहरवीर गोगा माड़ी पर आयोजित किए जाने वाला मेला ऐतिहासिक है। मेले की शान पवित्र छड़ी निशान होती है। श्रद्धालुओं की मन्नते पूरी होने पर पवित्र छड़ी निशान चढ़ाया जाता है।



महापुरुषों की शिक्षाएं हमारे लिए प्रेरणास्रोत: कांबोज

रादौर। अंतराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब व इनरव्हील क्लब के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा जयंती के उपलक्ष में रादौर के कस्तुरबा गांधी आश्रम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी राजकुमार कांबोज जर्मनी ने मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया। जबकि विशिष्ठ अतिथि के रुप में जाट समाज के जिला प्रधान एडवोकेट सुरेशपाल बंचल मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के प्रधान भारत माटिया व इनरव्हील क्लब की प्रधान परमजीत कौर ने की। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।क्लब की ओर से मुख्यातिथि राजकुमार कुमार कांबोज को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब के मुख्य सलाहकार डॉ. एससी सैनी, प्रधान भारत माटिया, प्रधान परमजीत कौर, पूजा मटिया, पूजा सिंगला, मीनाक्षी कांबोज, रिंकू शर्मा, बिमला राणा, वीणा चोपड़ा, साक्षी परूथी, सुखवर्षा, सुमन शर्मा, हरजीत सिंह सैनी, निर्मल बैंडी, मोहनलाल अरोड़ा, मास्टर देवीदयाल अरोड़ा, कृष्ण आर्य, जोगिंद्र सिंह, मास्टर गुरचरण सिंह, राजू गुप्ता, संदीप सैनी व ब्रह्मप्रकाश टंडन आदि मौजूद रहे।

सरकार की योजनाओं का पात्रों को मिल रहा लाभ



यमुनानगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत हरियाणा रोडवेज के महाप्रबंधक यमुनानगर संजय रावल ने अपने कार्यालय में पात्र लाभार्थियों को हैप्पी कार्ड वितरित किए। महाप्रबंधक संजय रावल ने कहा कि हैप्पी कार्ड योजना का उद्देश्य पात्र परिवारों को सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध करवाकर उनकी दैनिक यात्रा को सुगम बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों के हित में विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिनका लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सरकार की योजनाओं और सेवाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर राहुल व कंवलजीत कौर आदि लाभार्थियों ने हैप्पी कार्ड मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार की इस पहल की सराहना की। लाभार्थियों ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा हर वर्ग के हित में जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई गई है।

टेलीग्राम पर लिंक भेज ठगे 4.76 लाख रुपये

यमुनानगर। साइबर ठगों ने टेलीग्राम पर लिंक भेज कर अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर गांव रामगढ़ निवासी सौरभ शाह से चार लाख 76 हजार रुपये ठग लिए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव रामगढ़ निवासी सौरभ शाह ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 11 मार्च को उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया। जब उसने मैसेज पर क्लिक किया तो वह एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ गया। जहां पर कंपनी में इन्वेस्टमेंट कर अधिक मुनाफा कमाने के संबंध में बातचीत चल रही थी। इस दौरान आरोपियों ने उससे बातचीत शुरू कर दी और कंपनी में पैसे इन्वेस्टमेंट करने के लिए कहा। आरोपियों की बातों में आकर उसने हां कर दी। इसके बाद उसने आरोपियों के कहने पर उनके द्वारा अलग-अलग अकाउंट में चार लाख 76 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपियों ने उसे प्रॉफिट के पैसे नहीं दिए। जब उसने आरोपियों से अपने पैसे मांगे तो आरोपियों ने उसे पैसे देने से मना कर दिया और उसे टेलीग्राम ग्रुप से रिमूव कर दिया।

विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों के बीच संवाद बच्चों के भविष्य की तैयार करता है नींव: शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जनता पब्लिक स्कूल अलाहर में अभिभावक व शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन की समीक्षा की गई। बैठक का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक मुकेश शास्त्री ने किया।

प्रबंधक ने बताया कि विद्यालय में आयोजित पीटीएम के दौरान अभिभावकों ने अपने बच्चों के परीक्षा परिणाम, कक्षा में प्रदर्शन, अनुशासन, नियमितता एवं सीखने की प्रगति के संबंध में शिक्षकों से संवाद किया। शिक्षकों ने प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति का विश्लेषण करते हुए उनकी स्ट्रेंथ एवं इंप्रूवमेंट ऐरिया से अभिभावकों को अवगत करवाया तथा आगामी सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक सुझाव दिए। शास्त्री विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर सीखने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा समय प्रबंधन एवं नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। वहीं अपेक्षित परिणाम प्राप्त न कर पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सुधारात्मक प्रयासों पर विशेष ध्यान देने का आश्वासन दिया गया। विद्यालय के प्रबंधक मुकेश शास्त्री ने कहा कि परीक्षा केवल अंकों का मूल्यांकन नहीं है। बल्कि विद्यार्थी की सीखने की यात्रा को समझने और उसे सही दिशा देने का माध्यम है। विद्यालय और अभिभावकों के बीच निरंतर एवं सकारात्मक संवाद ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करता है। पीटीएम के दौरान अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीटीएम का उद्देश्य विद्यालय और अभिभावकों के बीच सहयोग को ओर मजबूत करना तथा प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना रहा। विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों को उनके परिणाम के लिए शुभकामनाएं दी।



यमुनानगर। जनता पब्लिक स्कूल अलाहर में पीटीएम में भाग लेते अभिभावक।

बच्चों को मोबाइल के सुरक्षित उपयोग के लिए करें जागरूक

यमुनानगर। आधुनिक डिजीटल युग में इंटरनेट और मोबाइल तकनीक के बढ़ रहे उपयोग को लेकर जिला पुलिस प्रशासन ने बच्चों को साइबर अपराधों के बचाने के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में अभिभावकों अपने बच्चों को मोबाइल के सुरक्षित उपयोग करने के बारे में जागरुक करने के लिए आहवान किया गया है। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को इंटरनेट और मोबाइल फोन से पूरी तरह दूर रखना संभव नहीं है। ऑनलाइन पढ़ाई, मोबाइल गेमिंग और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण बच्चे अपना अधिकतर समय स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर व्यतीत कर रहे हैं। जिसके कारण साइबर अपराधी अब विशेष रूप से बच्चों को निशाना बना रहे हैं। वह मोबाइल गेम्स खेलने वाले बच्चों को आसानी से अपने जाल में फंसा लेते हैं। ठग विभिन्न प्रकार के प्रलोभन जैसे प्री गेम रिवॉर्ड, इन गेम कॉइन्स या अन्य आकर्षक ऑफर देकर बच्चों से संपर्क स्थापित करते हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर फर्जी पहचान बनाकर बच्चों से दोस्ती कर उनकी निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं।



केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही हैं तमाम योजनाएं

युवाओं और महिलाओं को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर

बरौली माजरा में हुआ उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा ग्राम बरौली माजरा में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम एवं विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं एवं युवाओं को स्वरोजगार एवं कौशल विकास के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक रवि प्रकाश ने भाग लिया।

केंद्र के निदेशक रवि प्रकाश ने बताया कि पीएनबी सेठी द्वारा विभिन्न रोजगारपरक एवं कौशल विकास प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठाकर अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुसार स्वरोजगार स्थापित करने तथा आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा युवा पुरूष एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं चलाई हैं। इन योजनाओं का लाभ व जानकारी प्रदान करने के लिए पंजाब नेशनल बैंक द्वारा समय समय पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में गांव बरौली माजरा योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया है। मौके पर पंजाब नेशनल बैंक जिला अग्रणी प्रबंधक सुभाष चंद ने ग्रामीणों एवं महिलाओं से संवाद करते हुए बैंक द्वारा उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से स्वयं सहायता समूहों के लिए ऋण सुविधाओं तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में जागरूक किया और ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।



यमुनानगर। बरौली माजरा में आयोजित उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीणों को जानकारी देते हुए वक्ता। फोटो : हरिभूमि

बैंक में खाता होना अनिवार्य

उन्होंने कहा कि इन सभी सुविधाओं को लेने के लिए बैंक में खाता होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा विभिन्न प्रकार के कोर्स स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र निःशुल्क करवाए जाते हैं। इच्छुक युवक व युवतियां इन प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेकर आत्मनिर्भर बन सकते है। इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के वित्तीय साक्षरता सलाहकार सुरेश नागरा ने ग्रामीणों को डिजिटल बैंकिंग एवं साइबर डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ सांझा न करने तथा संदिग्ध लेन देन के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया।

खबर संक्षेप



प्रत्येक युवा करें रक्तदान : डॉ. अशोक

कुरुक्षेत्र। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालयट भेरियां में एनएसएस इकाई और यूथ एंड रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों और स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्त संग्रहण के लिए जिला नागरिक अस्पताल, करनाल से डॉक्टरों की टीम पहुंची।

कल शाहाबाद में जुटने के लिए किया आह्वान

कुरुक्षेत्र। किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने धान खरीद और पोर्टल सत्यापन समेत किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर 5 अक्टूबर को सुबह 10 बजे शाहाबाद स्थित शहीद ऊधम सिंह स्मारक के पास किसानों को एकत्रित होने का आह्वान किया है। चढ़ूनी ने दावा किया कि बड़ी संख्या में किसानों का पोर्टल सत्यापन अभी लंबित है। उन्होंने सरकार और अधिकारियों से खरीद प्रक्रिया में आ रही समस्याओं को दूर करने की मांग की है। वहीं, किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा हरियाणा ने 4 अक्टूबर को मार्केट कमेटी कार्यालयों में तालाबंदी का आह्वान किया है।

लाडवा संगम मार्केट में हुआ बल्ली पूजन

लाडवा। जय भारत कला मंच लाडवा द्वारा इस वर्ष रामलीला का आयोजन 9 अक्तूबर से करवाया जा रहा है। इससे पूर्व शनिवार को मंच द्वारा रामलीला का बल्ली पूजन करवाया गया, जिसके मुख्य यजमान लायंस क्लब लाडवा के प्रधान पारस गर्ग थे। मुख्य यजमान ने पूजन में भाग लेकर विधिवत पूर्वक बल्ली पूजन किया तथा मंच के सभी सदस्यों को अपनी और से शुभकामनाएं दी तथा उनको पूरा सहयोग करने का आश्वासन भी दिया। मंच प्रतिवर्ष लाडवा की संगम मार्केट में रामलीला का आयोजन करती है।

धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया योग दिवस

कुरुक्षेत्र। भारतीय योग संस्थान पंजीकृत के हरि ओम योग जिला कुरुक्षेत्र में संस्थान का 60 वां योग दिवस ढिल्लों कॉलोनी और सेक्टर 8 पार्क योग साधना केंद्रों पर पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। ढिल्लों कॉलोनी के सामुदायिक विकास केंद्र में पहले योग शिक्षिकाओं द्वारा योगाभ्यास करवाया गया। दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के पश्चात संगीत व नृत्य की थाप पर राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी भजन पर सभी ने योगासनों की सुंदर प्रस्तुति दी। संस्थान के प्रांतीय संगठन मंत्री गुलशन कुमार ग्रोवर ने उपस्थित साधिकाओं को भारतीय योग संस्थान की स्थापना, संस्थापक श्रद्धेय प्रकाश लाल जी के जीवन चरित्र व गुणों के बारे में संक्षेप में बताया।

सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र में सिंगिंग स्टार्स प्रतियोगिता

संगीत आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का माध्यम : डॉ. अशोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

शीला नगर स्थित सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र में शनिवार को सिंगिंग स्टार्स एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। देशभक्ति और भक्ति संगीत पर आधारित प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपनी गायन प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में समां बांध दिया। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक शर्मा मुख्य अतिथि रहे। सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र के सदस्य एचसी मुंजाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि डॉ. मनीष कुकरेजा विशेष रूप से मौजूद रहे। निर्णायक मंडल में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तरुण जोशी और डॉ. दीपक शर्मा शामिल रहे। आयोजकों ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। प्रतिभागियों ने हे शारदे मां अज्ञानता से हमें तार देना, हर करम अपना करेंगे, मेरी आपकी कृपा से सब काम हो रहा है, सत्यम शिवम सुंदरम, शिव कैलाशों के वासी और ओ पालन हारे सहित कई गीत प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक शर्मा ने कहा कि संगीत आत्मा का भजन है और प्रभु से जुड़ने का माध्यम है। उन्होंने केंद्र की ओर से संगीत प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराने के प्रयास की सराहना की और स्वयं भी गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर केंद्र की इंचार्ज अनु ललित, जितेंद्र अरोड़ा, कुलभूषण गाबा, शिक्षक अमरजीत सिंह, राजेश, पूजा चौधरी, भावना, अंजू, ज्योति गाबा, कीर्ति, सतीश सहित अन्य मौजूद रहे।



कुरुक्षेत्र। सीनियर वर्ग के विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

प्रतियोगिता के परिणाम

सब-जूनियर वर्ग में ईशान प्रथम, अरदास द्वितीय और जायरा तृतीय रही। जूनियर वर्ग में अक्षिता ने प्रथम, अमीषा चावला ने द्वितीय और कृष्ण ने तृतीय स्थान हासिल किया। सीनियर वर्ग में खुशदीप कौर प्रथम, आशिका द्वितीय और नमिता तृतीय स्थान पर रही। तीनों वर्गों में प्रथम स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को 2100 रुपये, द्वितीय स्थान पर 1100 रुपये और तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को 500 रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

धार्मिक आयोजन समाज में सद्भाव और एकता का संचार करते हैं : अक्षय नंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

पितृपक्ष के पावन अवसर पर गुरुद्वारा रोड स्थित श्री अनंत प्रेम आश्रम, केशव विहार में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ कमाया। श्रीसंत प्रेम दर्शनानंद पुरी के आशीर्वाद से आयोजित कथा के दौरान आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना और संत-महात्माओं के आशीर्वचनों के साथ हुआ। इस अवसर पर गुमटी वाली माताजी और बाबा मणि सिंह ने विशेष रूप से भाग लिया। व्यासपीठ से संत प्रेम साधनानंद ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण और ठाकुर जी की मनोहारी लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन सुनाया। संत प्रेम साधनानंद ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाली दिव्य ज्ञानधारा है। इसके श्रवण से मन को शांति मिलती है तथा जीवन में भक्ति, संस्कार, संयम और सदाचार का संचार होता है। इस अवसर पर संत प्रेम आराधना नंद, पूर्व पालिका प्रधान अशोक सिंगला, संजीव शर्मा, विकास शर्मा, पम्मा अरोड़ा, जितेंद्र बजाज, गौरव आहूजा, विनोद बंसल, शीला देवी, साक्षी तिवारी नंदा आदि मौजूद रहे।



स्वच्छता के साथ जल संरक्षण और सरस्वती नदी के प्रति जागरूकता जरूरी : धुम्मन सिंह

थानेसर। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी खेड़ा के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमच ने विद्यार्थियों को जल संरक्षण, स्वच्छता, सरस्वती नदी की महत्ता और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। विद्यार्थियों को जल की महत्ता समझते हुए इसके संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने सरस्वती नदी की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से अपनी विरासत और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने बच्चों को आत्मरक्षा के प्रति सजग रहने और विपरीत परिस्थितियों में आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. मनप्रीत कौर ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों तथा स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के बाद धुम्मन सिंह किरमच ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया।



विरासत सांझी उत्सव 10 अक्टूबर से शुरू

कुरुक्षेत्र। विरासत दि हेरिटेज विलेज जी.टी. रोड मसाना में विरासत हेरिटेज व एसोसिएशन ऑफ हरियाणवीज इन ऑस्ट्रेलिया द्वारा राज्य स्तरीय छठा सांझी उत्सव-2026 का आयोजन 10 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस सांझी उत्सव में हरियाणा के अलग-अलग कोनों से लुप्त होती सांझी कला को बचाने के लिए सैंकड़ों महिलाएं भाग लेंगी। यह जानकारी विरासत सांझी उत्सव के निदेशक अभिनव पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि सांझी प्रतियोगिता का आयोजन विरासत हेरिटेज विलेज मसाना में 10 अक्टूबर को अमावस्या के दिन किया जायेगा। इस दिन लोक सांस्कृतिक दृष्टि से ग्रामीण महिलाएं घरों में सांझी लगाती हैं।

यमुनानगर में आज होने वाली किसान महापंचायत में लाडवा से सैकड़ों किसान लेंगे भाग : रामधारी

लाडवा। यमुनानगर में 4 अक्तूबर को होने वाली किसान महापंचायत में लाडवा क्षेत्र से भारी संख्या में किसान भाकियू के जिला प्रधान रामधारी उर्फ भूरा डूडा के नेतृत्व में शामिल होकर महापंचायत को सफल बनाने में अपनी भूमिका अदा करेंगे। इस किसान महापंचायत में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत किसानों को संबोधित करेंगे। यह जानकारी जिला अध्यक्ष रामधारी उर्फ भूरा डूडा ने शनिवार को दर्जनों गांवों में किसानों को महापंचायत का न्यौता देने के बाद लाडवा मंडी में पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि किसान महापंचायत में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। महापंचायत के आयोजकों की ओर से जारी पोस्टर के अनुसार इसमें गन्ने का भाव 600 रुपए प्रति क्विंटल किए जाने, किसानों का पूर्ण कर्ज माफ करने, धान में नमी की सीमा 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 22 प्रतिशत करने तथा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को वापस लेने जैसी मांगें रखी गई हैं। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में महापंचायत में पहुंचने का आह्वान किया।



धान खरीद से कतरा रही भाजपा सरकार, मंडियों में परेशान हो रहा प्रदेश का अन्नदाता: अशोक अरोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- पंजाबी धर्मशाला कुरुक्षेत्र में आज होगा ब्लॉक स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन

थानेसर के विधायक एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे किसान, मजदूर और युवा विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा का अन्नदाता अपनी खून-पसीने की कमाई धान की फसल को लेकर अनाज मंडियों में खुले आसमान के नीचे बैठने को मजबूर है, लेकिन सरकार धान की सरकारी खरीद करने से कतरा रही है। विधायक अशोक अरोड़ा शनिवार को थानेसर हलके के गांव भिवानीखेड़ा सहित कई अन्य ग्रामीण इलाकों का दौरा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए 4 अक्तूबर दिन रविवार को सायं 3 बजे आयोजित होने वाले विशाल ब्लॉक स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का न्यौता दिया। अरोड़ा ने बताया कि पंजाबी धर्मशाला में थानेसर हलके का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में मुख्य रूप में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी संजय दत्त तथा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र शिरकत करेंगे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।



महाराणा प्रताप स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में दिखाया दमखम



कुरुक्षेत्र। महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल, सेक्टर-7 के विद्यार्थियों ने जेएमआईटी कॉलेज, रादौर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए। विद्यार्थियों ने नृत्य और विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एकल नृत्य प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं की राशि तंवर ने मनमोहक प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान हासिल किया। इसके लिए उन्हें 3,100 रुपये का नकद पुरस्कार मिला। समूह नृत्य प्रतियोगिता में भी स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 5,100 रुपये का नकद पुरस्कार जीता। विजेता टीम में कक्षा नौवीं और दसवीं की राशि, खुशी, स्वस्तिका, रितिका, पावनी, नव्या, मन्नत, गोरांशी, अवेरा और सुहानी शामिल रहीं। दोनों नृत्य प्रस्तुतियों का मार्गदर्शन नूपुर चौहान ने किया। विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा नौवीं के कृष्णा और आदि ने स्मार्ट डस्टबिन का मॉडल प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उनकी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता के लिए टीम को 5,100 रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

विज्ञान प्रदर्शनी में नवयुग स्कूल के विद्यार्थियों ने दिखाया नवाचार एवं वैज्ञानिक प्रतिभा

- विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रतिष्ठित प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जयप्रकाश मुकुंदलाल इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुरुक्षेत्र के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता एवं तकनीकी कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यालय के छह विद्यार्थियों ने विभिन्न नवीन एवं उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों द्वारा स्मार्ट सिटी तथा स्मार्ट एग्रीकल्चर लैंड विद मूविंग सोलर सिस्टम जैसे अभिनव मॉडल तैयार किए गए, जिनके माध्यम से आधुनिक तकनीक के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा के सदुपयोग एवं स्मार्ट कृषि की संभावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों के साथ विद्यालय की अध्यापिकाएँ समृति एवं कोमल उपस्थित रहीं और उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के मॉडल एवं उनकी प्रस्तुति की उपस्थित विशेषज्ञों एवं आयोजकों द्वारा खूब सराहना की गई। विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रतिष्ठित प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बी.डी. गाबा एवं प्रधानाचार्य देवेंद्र अरोड़ा ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि एवं सक्रिय सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी।



सांसद ने एशियन गेम्स में स्वर्णिम सफलता के लिए नवनीत कौर को दी बधाई



शाहबाद। एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी टीम द्वारा चीन को हराकर 44 साल बाद ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने पर सांसद नवीन जिन्दल ने भारतीय हॉकी टीम और विशेष तौर पर शाहाबाद की बेटी और स्टार हॉकी खिलाड़ी नवनीत कौर को बधाई दी है। सांसद नवीन जिन्दल ने अपने बधाई संदेश में कहा कि भारतीय हॉकी टीम ने जो उपलब्धि हासिल की है वह काबिले तारीफ है। हमारी बेटी नवनीत कौर ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। नवनीत की यह उपलब्धि न केवल कुरुक्षेत्र और हरियाणा, बल्कि पूरे देश के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में 130 विद्यार्थियों ने लिया भाग



कुरुक्षेत्र। बी.आर. इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में शनिवार को गायत्री परिवार की ओर से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में विद्यालय के 130 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर रीटा शुक्ला ने बताया कि परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और संस्कारों से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि ऐसी परीक्षाएं विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ उनमें नैतिक मूल्यों और संस्कारों के विकास में भी सहायक होती हैं। विद्यालय की प्राचार्या पूजा कंबोज ने परीक्षा में शामिल सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की कामना की। विद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमैन दीपक चोपड़ा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में इससे भी अधिक संख्या में विद्यार्थियों को परीक्षा में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

कुरुक्षेत्र में रेलवे एलिवेटेड ट्रैक के समानांतर बनेगी नई सड़क : गंगवा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए रेलवे एलिवेटेड ट्रैक के समानांतर नई सड़क का निर्माण किया जाएगा। सरकार ने इस सड़क के निर्माण के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सड़क एलसी-61सी (विश्वविद्यालय गेट नंबर-3 के पास) से एलसी-65सी (पुराने बस स्टैंड के पास) तक बनाई जाएगी। यह सड़क रेलवे के राइट ऑफ वे में प्रस्तावित है तथा इसका निर्माण रेलवे से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) और अन्य वैधानिक मंजूरियां प्राप्त होने के अधीन रहेगा। मंत्री गंगवा ने बताया कि प्रस्तावित सड़क की लंबाई लगभग 3.20 किलोमीटर और चौड़ाई 7 मीटर होगी। इसके निर्माण पर करीब 5.75 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी। लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में गीता जयंती महोत्सव, सूर्य ग्रहण सहित अन्य बड़े धार्मिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी आमद होती है, जिससे शहर की मौजूदा सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ जाता है। नई सड़क बनने से इस क्षेत्र में यातायात को वैकल्पिक मार्ग मिलेगा और जाम की स्थिति को कम करने में मदद मिलेगी।

विद्यार्थियों की सेवा को अपना सौभाग्य मानता हूं : प्रदीप सैनी



पिहोवा। डी.ए.वी. कॉलेज पिहोवा में महाविद्यालय के पूर्व छात्र एवं प्रमुख समाजसेवी प्रदीप सैनी द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए निर्मित शैड का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर एलुमनि एसोसिएशन के सदस्य श्री जसविंदर खैरा, प्रो. रजत एवं श्री गुरविंदर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। मंच संचालक डॉ प्रवीन कुमार के द्वारा महाविद्यालय की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया तथा विद्यार्थियों के लिए शैड निर्माण में सहयोग देने के लिए श्री प्रदीप सैनी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। प्राचार्या डॉ. सुमनलता ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि श्री प्रदीप सैनी द्वारा विद्यार्थियों के लिए शैड का निर्माण करवाना महाविद्यालय के प्रति उनके आत्मीय जुड़ाव, सेवा भावना और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रदीप सैनी ने कहा कि जिस शिक्षण संस्थान से व्यक्ति शिक्षा प्राप्त करता है, उसके प्रति जीवनभर आत्मीयता और कृतज्ञता का भाव बना रहता है। वउन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार, मेहनत और सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की ओर से श्री प्रदीप सैनी को विद्यार्थियों के हित में शैड निर्माण करवाने तथा महाविद्यालय के प्रति उनके उल्लेखनीय सहयोग के लिए सम्मान-पत्र भेंट कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम | गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में मेधावी छात्र सम्मान समारोह

समय प्रबंधन को विद्यार्थी जीवन की सफलता का बताया आधार

95% से अधिक अंक हासिल करने वाले 250 मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में प्रांतीय स्तर के मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हरियाणा प्रांत के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे 95 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 250 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ भविष्य की चुनौतियों, व्यक्तित्व विकास, उद्यमिता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्ल के गायन से हुआ। प्रथम सत्र में खालसा कॉलेज करनाल के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य मेजर सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि सफलता केवल अच्छे अंक हासिल करने तक सीमित नहीं है। निरंतर परिश्रम, अनुशासन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण सफलता की मजबूत नींव हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को असफलताओं से सीखने और चुनौतियों को आत्मविकास के अवसर के रूप में लेने का संदेश दिया। भाखड़ा ब्यास जल विद्युत परियोजना, कुरुक्षेत्र के एसई संदीप मान ने समय प्रबंधन को विद्यार्थी जीवन की सफलता का आधार बताया। उन्होंने योजनाबद्ध अध्ययन, लक्ष्य निर्धारण और अपनी रुचियों व क्षमताओं को पहचानने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम शर्मा, प्रबंधक पवन गुप्ता, कोषाध्यक्ष रणधीर वालिया, चेतराम शर्मा, अखिलेश गुप्ता, पंकज कुमार, संजय, विक्रांत, अभिषेक, सतीश सैनी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।



कुरुक्षेत्र। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथिगण।

करियर के बदलते अवसरों पर किया मार्गदर्शन

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विद्यार्थियों के लिए विशेष करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभागाध्यक्ष तेजेंद्र ने नवाचार और उद्यमिता की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युवा केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि नए विचारों के माध्यम से रोजगार के अवसर पैदा करने वाले उद्यमी भी बन सकते हैं। एनआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर गौरव कुमार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के तेजी से विकसित होते क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ समस्या समाधान, तार्किक चिंतन, नवाचार और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री विजय कुमार नड्डा ने मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि परिश्रम, अनुशासन और लगन का परिणाम है।

नोटिस

न्यायालय सहायक कलैक्टर द्वितीय श्रेणी पिहोवा

केस नं. 329/एन.टी. तिथि दावर : 26.05.2026
मौजा गांव जुरासी कलां दावा : तकसीम

केस अनुमान राजेश कुमार बनाम संतोख सिंह आदि

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी पिहोवा में 1. संतोख सिंह पुत्र दीवान सिंह, 2. शिव दयाल, 3. श्यो राम, 4. कंवर सिंह पुत्रान हरदयाल सिंह पुत्र लक्खा, 5. रणजीत सिंह पुत्र मन्सा राम, 6. कन्हैया, 7. काशी राम, 8. श्योगी पुत्रान शादी, 9. भूरू पुत्र चुडिया, 10. चिन्द्र, 11. सिन्द्र पुत्रियान प्रेमो देवी, 12. बदेव सिंह, 13. प्रवीण कुमार पुत्रान माम चन्द, 14. मांगे राम पुत्र राम सिंह, 15. वीर सिंह पुत्र प्रेमो देवी, 16. करमैलो देवी विधवा जय राम, 17. पाला राम, 18. साहब सिंह, 19. अजमेर सिंह, 20. जय भगवान, 21. सुभाष चन्द पुत्रान माम चन्द, 22. बाला देवी विधवा, 23. अविनाश, 24. संजय कुमार पुत्रान, 25. मनोज रानी, 26. काजल रानी पुत्रियान सुरेश कुमार पुत्र राम सिंह निवासीगण गांव जुरासी कलां, तहसील पिहोवा, जिला कुरुक्षेत्र की बाबत तकसीम खेतर नं. 15, 17, 18, 19, 20, 21, 23, 63, 119, मौजा जुरासी कलां, जिसका केस नं. 329/एन.टी. विचाराधीन है। जो कि सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त तकसीम के केस में अपने द्वारा, किसी के माध्यम द्वारा या वकील द्वारा पेश होकर इस केस में अपने एतराज प्रकाशन की तिथि के 30 दिन के अंदर-अंदर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद गुजरने मियाद किसी भी एतराज की सुनवाई नहीं होगी।

हस्ता/-न्यायालय सहायक कलैक्टर
द्वितीय श्रेणी एवं नायब तहसीलदार पिहोवा।

खबर संक्षेप

विशेष लोक अदालत का आयोजन किया

अंबाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में विभिन्न श्रेणियों के मामलों का निपटारा किया गया, ताकि न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया सरल, तीव्र एवं सुलभ बनाई जा सके। लोक अदालत में एनआईएसीटी 138 चेक बाउंस अन्य समझौता योग्य मामलों पर पक्षकारों के बीच सहमति बनाकर निपटारा किया गया। लोक अदालत में निपटाए गए मामलों पर कोई अदालती शुल्क देय नहीं होता तथा पक्षकारों को निर्णय के विरुद्ध अपील का अधिकार प्राप्त नहीं होता। सीजेएम गीतांजलि गोयल ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य आम नागरिकों को लंबी कानूनी प्रक्रिया और अतिरिक्त व्यय से मुक्ति दिलाकर न्याय तक सीधी पहुंच प्रदान करना है।

समारोह में 125 से अधिक लोगों ने भाग लिया

अंबाला। रोटरी क्लब ऑफ़ अंबाला (डिस्ट्रिक्ट 3080) द्वारा अंबाला कैंट स्थित कुमारी रुक्मणी देवी हॉल में प्रतिष्ठित नेशन बिल्डर अवार्ड समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। समारोह में 125 से अधिक लोगों ने भाग लिया जिनमें सम्मानित होने वाले शिक्षक, उनके गौरवान्वित परिवारजन, विभिन्न रोटरी क्लबों से आए रोटेरियन तथा शहर के गणमान्य नागरिक शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मोटिवेशनल स्पीकर विवेक अत्रे व विशिष्ट अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. रीता कालरा और डॉ. संजय कालडा उपस्थित रहे। रोटरी क्लब ऑफ अंबाला के प्रेसिडेंट विवेक मल्होत्रा ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

ई-रिक्शा की बैट्री चोरी का आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र रविदास बस्ती के पास से ई-रिक्शा की बैटरियां चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता मुकेश कुमार ने 1 अक्तूबर 2026 को शिकायत दी थी कि 30 सितंबर से 1 अक्तूबर 2026 के बीच आरोपी ने उसकी ई-रिक्शा की बैटरियां चोरी की हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई की। अब पुलिस ने चोरी के आरोप में योगेश उर्फ अमन निवासी बादशाही बाग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को रिमांड पर लिया है।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव पुलिस ने गांव नन्हेड़ा के पास से सामान चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी मुख्य सिपाही राजेश कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता सतीश कुमार वासी गांव गुमथला ने 8 सितंबर 2026 को शिकायत दी थी कि 29 अगस्त 2026 से 2 सितंबर 2026 के बीच गांव नन्हेड़ा के पास से आरोपियों ने एयरटेल फाईबर केवल, ड्रम, 6 बंडल ड्रकट पाइप व अन्य सामान चोरी किया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी मोहम्मद ईमाम व शंभू कुमार को गिरफ्तार किया था।

वादे से मुकरे मुख्यमंत्री, चुनाव से पहले किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने का किया था ऐलान : चौधरी

सांसद ने अनाजमंडी में धान खरीद की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

अनाज मंडी में धान खरीद व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे लोकसभा सांसद वरुण चौधरी ने किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार पर सवाल खड़े किए। शनिवार को मंडी दौरे के दौरान सांसद ने किसानों और आढ़तियों से बातचीत कर खरीद प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों से वादे तो बड़े किए लेकिन मंडियों में उन्हें अपनी फसल बेचने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ने धान की खरीद 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की घोषणा की थी। इसके बावजूद किसान कम कीमत पर धान बेचने को मजबूर हैं। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि किसानों को घोषित कीमत का लाभ क्यों नहीं मिल रहा। उन्होंने 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर सत्यापन लंबित होने को लेकर भी सवाल उठाए।

सरकार से किसानों की पूरी उपज खरीदने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग

किसान कम कीमत पर धान बेचने को मजबूर

वरुण चौधरी ने कहा कि जब धान की सरकारी खरीद 29 सितंबर से शुरू होनी थी तो उससे पहले किसानों की फसल और क्षेत्र का सत्यापन पूरा क्यों नहीं करवाया गया। मंडी में फसल लेकर पहुंच चुके किसानों को पोर्टल की औपचारिकताओं के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। सांसद ने धान की प्रति एकड़ खरीद की नई जिलावार सीमा पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अंबाला में 26.26 क्विंटल, यमुनानगर में 27.73 और कुरुक्षेत्र में 29.26 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा तय किए जाने की बात सामने आई है। ऐसे में सवाल है कि निर्धारित सीमा से अधिक उत्पादन करने वाले किसान अपनी अतिरिक्त फसल कहां बेचेंगे। उन्होंने सरकार से किसानों की पूरी उपज खरीदने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।



बराड़ा। मंडी में फसल खरीद व्यवस्था का जायजा लेते हुए सांसद। फोटो : हरिभूमि

समय पर उठान जरूरी

चौधरी ने राइस मिलर्स के साथ एग्रीमेंट को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि खरीद के बाद मंडियों से धान का समय पर उठान जरूरी है। यदि सरकार ने राइस मिलर्स के साथ एग्रीमेंट नहीं किया है तो खरीदा गया धान कहां जाएगा और उसका उठान कब होगा, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। साथ ही किसानों को भुगतान की समयबद्ध व्यवस्था भी सार्वजनिक की जाए। सांसद ने कहा कि किसान पहले ही बढ़ती लागत, मौसम और बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान है। अब पोर्टल, खरीद सीमा, उठान और भुगतान की समस्याएं उसकी मुश्किलें और बढ़ा रही हैं।

एसडीएम ने धान खरीद के कार्य का लिया जायजा

1,36,101 क्विंटल धान की हुई आवक 56,272 क्विंटल की खरीद का काम पूरा

संबंधित अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से संचालित रखने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭शहजादपुर

एसडीएम शिवजीत भारती ने नारायणगढ़ अनाज मंडी का दौरा कर धान खरीद कार्यों और मंडी में किसानों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में पहुंच रही धान की फसल की गुणवत्ता, नमी की मात्रा तथा खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने धान की नमी की जांच भी करवाई और संबंधित अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से संचालित रखने के निर्देश दिए। एसडीएम ने मंडी में मौजूद किसानों और आढ़तियों से बातचीत करते हुए धान की खरीद तथा मंडी में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की फसल का निर्धारित नियमों के अनुसार समय पर खरीद करवाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि धान खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को मंडी में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ नमी की जांच और खरीद कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी मंडी में व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखें और किसानों की समस्याओं का मौके पर समाधान करें। मार्केट कमेटी के सचिव अखिलेश कुमार ने बताया कि उनके दायरे में नारायणगढ़ अनाज मंडी, भरेड़ी खरीद केंद्र तथा बेरखेड़ी खरीद केंद्र में कुल 1,36,101 क्विंटल धान की आवक हो चुकी है। इसमें से 56,272 क्विंटल धान की खरीद सरकारी एजेंसी द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,461 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा चुकी है।



शहजादपुर। मंडी में धान खरीद की व्यवस्थाओं का जायजा लेती एसडीएम।

ये रहे मौजूद

उन्होंने बताया कि मंडी में धान की खरीद फूड सप्लाई विभाग द्वारा की जा रही है। निर्धारित मानकों के अनुसार 17 प्रतिशत तक नमी वाली धान की खरीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए मंडी में साफ-सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट तथा बिजली की समुचित व्यवस्था की गई है। सचिव ने बताया कि मंडी की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सीसीटीवी कैमरों और चौकीदारों की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा मंडी के तीनों गेटों पर किसानों की सुविधा के लिए गेट पास काटने के काउंटर बनाए गए हैं ताकि मंडी में फसल लेकर आने वाले किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर मार्केट कमेटी चेयरमैन नरेंद्र राणा कुराली, वाइस चेयरमैन भूषण अग्रवाल, मंडी प्रधान संदीप चौधरी, हनीश सैनी, मंडी के आढ़ती, सेलर संगठन के प्रतिनिधि, ऑक्शन रिकॉर्डर रविंद्र कुमार सहित किसान मौजूद रहे।



अंबाला। कार्यक्रम में छात्राओं से बातचीत करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को तनाव से निपटने के लिए दी प्रभावी जानकारी

- विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

अंबाला छावनी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 में गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज के सहयोग से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक, व्यक्तिगत, सामाजिक एवं जीवन-कौशल विकास के साथ उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं के लिए तैयार करना रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए तनाव प्रबंधन एवं भावनात्मक कल्याण, सजगता एवं मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग, उद्यमशीलता एवं व्यावसायिक कौशल, गणित एवं संगणनात्मक चिंतन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बेहतर उत्तर प्राप्त करने के लिए प्रभावी निर्देश लेखन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवादात्मक एवं गतिविधि-आधारित सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को तनाव से प्रभावी ढंग से निपटने, एकाग्रता एवं सकारात्मक सोच विकसित करने तथा शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार एवं प्रभावी उपयोग के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विशेषज्ञों के साथ संवाद किया और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

आभार जताया

विद्यालय के प्राचार्य हरिंद्र सिंह लांबा ने गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज से पधारी डॉ. रैना भाटिया और उनकी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को कक्षा-अधिगम से आगे बढ़कर व्यावहारिक ज्ञान, जीवन-कौशल, तकनीकी दक्षता एवं भविष्य की चुनौतियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी अनुभव रहा।

टूर के नाम पर 3.27 लाख की ठगी

- ग्रुप बनाकर आरोपियों पर कई लोगों से ठगी करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

दिल्ली की एक टूर एंड ट्रैवल कंपनी ने 70 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक से वियतनाम टूर पैकेज के नाम पर 3,27,000 रुपये ऐंठ लिए। विरोध करने और पूरे बुकिंग वाउचर मांगने पर आरोपियों ने पीड़ित बुजुर्ग को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस अधीक्षक के आदेश और आर्थिक अपराध शाखा की जांच के बाद केस दर्ज किया है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के 70 वर्षीय रविंद्र कुमार ने बताया कि दिल्ली स्थित एडमायर टूर एंड हॉलिडे प्राइवेट लिमिटेड (द्वारका मोड़) के प्रतिनिधियों ने उनसे संपर्क किया था। उन्होंने वियतनाम की यात्रा के लिए हवाई टिकट, होटल, साइट सीइंग और वीजा व्यवस्था का आकर्षक प्रस्ताव दिया। आरोपियों के झांसे में आकर पीड़ित ने अपने, अपनी पत्नी संयोगिता और 70 से अधिक वर्ष के पिता बाल किशन के लिए कुल 3.27 लाख रुपये कंपनी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी अपनी बात से मुकर गए। आरोपियों ने उनके पैसे तक वापिस नहीं किए। जांच अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर संबंधित बैंक खातों, व्हाट्सएप चैट, पेमेंट ट्रांसफर रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है।

हत्या की भी धमकी दी

ठगी को अंजाम देने के लिए संदीप (सुकांत नओगी), आरती सरकार, अदिति सरकार और झा नाम के व्यक्तियों ने वियतनाम ट्रिप (5597) 15 अगस्त 2026 नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था। पीड़ित के अनुसार, इस ग्रुप में शामिल कुल 24 लोगों से टूर के नाम पर कुल 26,16,000/- वसूले गए लेकिन किसी को भी सेवाएं नहीं दी गईं। रविंद्र कुमार ने बताया कि दिल्ली से हनोई की जाने की टिकट व वीजा तो दिया गया लेकिन जब उन्होंने वापसी की एयर टिकट और होटल बुकिंग के कंफर्म वाउचर मांगे तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि उन्होंने यात्रा नहीं की तो जाने की टिकट भी रद्द कर दी जाएगी और पैसे वापस नहीं मिलेंगे। साथ ही बुजुर्ग को जान से मारने की भी धमकी दी गई।

विद्यार्थियों को प्रिंट बनाने की कला सिखाई

- टाई एंड डाई विषय पर किया कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

अंबाला छावनी स्थित आचार्य रघुवीर गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा टाई एंड डाई विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रागिनी मिश्रा रही। प्रिंसिपल डॉ. देसराज बाजवा ने प्रो. रागिनी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से विद्यार्थियों के समक्ष अपना रोजगार करने के नए नए विचार सामने आए हैं। डॉ. रागिनी ने विद्यार्थियों को बड़े विस्तार से दुपट्टा, बेडशीट, तकिए पर सुंदर प्रिंट बनाने सिखाए। डॉ. रागिनी ने बताया कि विद्यार्थी इस तरह के काम सीखकर अपना व्यवसाय भी शुरू कर सकती हैं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. देस राज बाजवा, रजिस्ट्रार डॉ. गुरविंदर सिंह,महिला विकास प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. रोहिणी एवं अन्य सदस्यों द्वारा एक पौधा भेंट करके डॉ. रागिनी के प्रति आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला विकास प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों द्वारा पूर्ण सहयोग दिया गया। इस अवसर पर डॉ. मनीषा, प्रो. शिल्पा, इंद्रेश अग्रवाल, प्रो. मनीषा रावत, प्रो. नेहा, डॉ. ऋचा , डॉ. शिल्पा भी उपस्थित रही।



अंबाला। बनाए गए प्रिंट दिखाती छात्राएं।

अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में निकाली जाएगी शोभा यात्रा

जींद। इस बार अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में जींद शहर में कई साल के बाद भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में हाथी, घोड़े और कई तरह के बैंड आकर्षण का केंद्र रहेंगे। यात्रा के दौरान हाथी पर सवार महाराजा अग्रसेन और 18 घोड़ों पर सवार उनके 18 बेटों के किरदार देखने योग्य होंगे। शोभा यात्रा को कामयाब बनाने को लेकर समस्त अग्रवाल समाज तैयारियों में जुटा है। बाल धर्मार्थ अस्पताल के प्रधान ईश्वर गोयल अग्रवाल समाज के प्रधान राजकुमार गोयल के प्रतिष्ठान पर अग्रसेन जयंती को कामयाब बनाने को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ एसडी स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के उप प्रधान राजीव गोयलए अग्रवाल वेलफेयर सोसायटी के कार्यकारी सदस्य अनिल दीवान, एसडी स्कूल कमेटी के कार्यकारी सदस्य अमित दीवान इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यह शोभा यात्रा अग्रसेन जयंती की पूर्व संध्या पर 10 अक्टूबर को निकाली जाएगी। यात्रा रेलवे फाटक चक्कर रोड के पास स्थित गोपी राम धर्मशाला से शुरू होगी ,जो घंटाघर चौक, पालिका बाजार, सिटी पुलिस स्टेशन, रानी तालाब, गोहाना रोड के रास्ते अर्बन स्टेट स्थित अग्रवाल धर्मशाला पर समाप्त होगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

रैली सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने लोगों को किया जागरूक

प्लास्टिक को कहें ना, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

- एकल-उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं के प्रयोग से पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी दी।

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

महाराणा प्रताप नेशनल कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के तहत शनिवार को प्लास्टिक मुक्त जागरूकता अभियान- प्लास्टिक को कहें ना कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने लोगों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने लोगों को प्लास्टिक की थैलियों, डिस्पोजेबल कप-प्लेट, बोतल सहित अन्य एकल-उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं के अत्यधिक इस्तेमाल से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी दी। साथ ही प्लास्टिक का उपयोग कम करने और इसके स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया।



बराड़। रैली निकालते हुए स्टूडेंट्स और स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

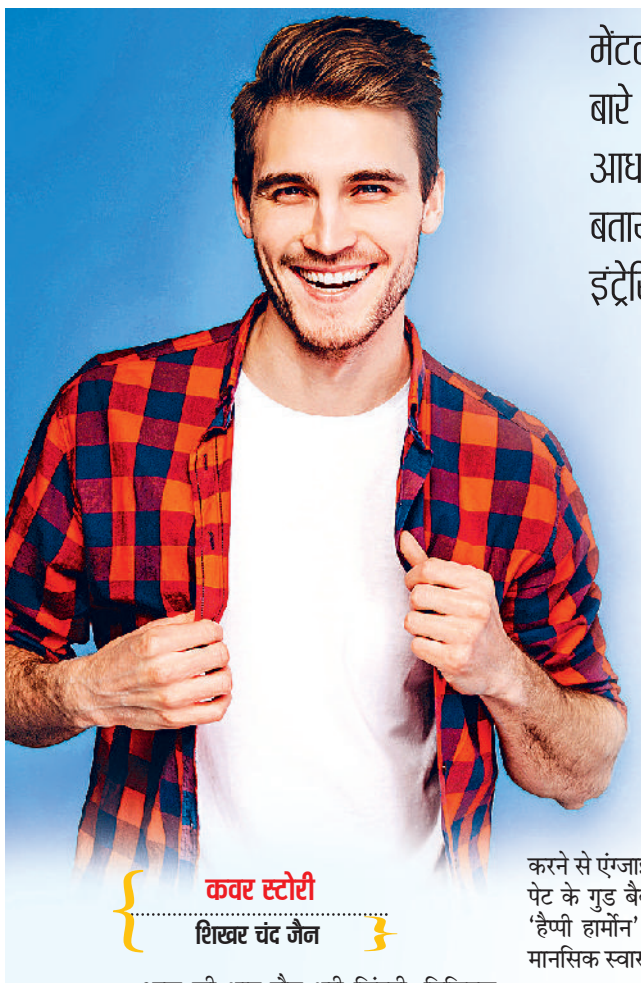
अनावश्यक इस्तेमाल से बचने का संदेश

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने एनएसएस इकाई के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उनमें सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, सेवा भावना और जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करना भी जरूरी है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशुतोष शर्मा के नेतृत्व एवं समन्वय में आयोजित अभियान में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए प्लास्टिक के अनावश्यक इस्तेमाल से बचने का संदेश दिया।

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव को किया जागरूक

जींद। उपस्वास्थ्य केंद्र रिटोली में स्वास्थ्य विभाग की ओर से शनिवार को मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव तथा स्वाइन फ्लू को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान फीवर मास सर्वे किया गया और बुखार से पीड़ित मरीजों के रक्त नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए। स्वास्थ्य कर्मचारी निर्मल सिंह मोरखी, आनंद शर्मा और पूजा शर्मा ने ग्रामीणों को डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया सहित मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। निर्मल सिंह ने बताया कि बरसात और गर्मी के मौसम में मच्छरों की संख्या बढ़ने से इन बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देना जरूरी है। ग्रामीणों को घरों के आसपास रखे कूलर, गमले, पुराने टायर और पानी की टंकियों की नियमित सफाई करने तथा पानी के बर्तनों को ढक कर रखने की सलाह दी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 4 अक्टूबर 2026



कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

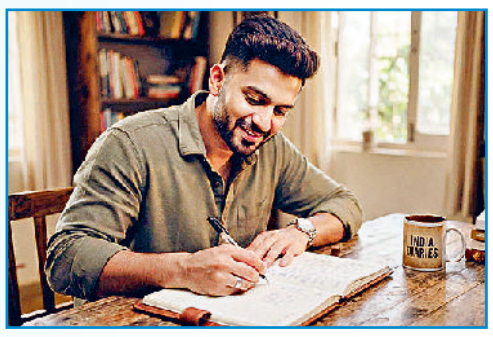
स्पेशलः मेंटल हेल्थ डे, 10 अक्टूबर

मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए कई कॉमन तरीकों के बारे में आप जानते होंगे। लेकिन वैज्ञानिक शोधों के आधार पर दुनिया के विशेषज्ञों ने कुछ डिफरेंट एक्टिविटीज के बारे में भी बताया है। ये एक्टिविटीज मेंटली हेल्दी रहने में तो कारगर हैं ही, ये बहुत इंट्रेस्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

फॉलो करें ये डिफरेंट एक्टिविटीज

आप रहेंगे मेंटली हेल्दी-एनर्जेटिक

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, डिजिटल तनाव और लगातार बदलते लाइफस्टाइल के बीच मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की बात आती है, तो आमतौर पर योग, ध्यान, गहरी सांस लेना या आठ घंटे की नींद जैसी सलाहें दी जाती हैं। बेशक ये तरीके कारगर हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान और न्यूरोसाइंस के शोध अब कुछ ऐसे अनूठे और अपरंपरागत तरीकों के बारे में भी बता रहे हैं, जो हमारे मस्तिष्क को पूरी तरह से रीवायर कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।





कुछ न करने की डच कला यानी निकसेन

अकसर हमें हर वक्त कुछ न कुछ रचनात्मक या उत्पादक करने की सलाह दी जाती है। लेकिन नीदरलैंड की एक अवधारणा है, जिसे 'निकसेन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'जानबूझकर कुछ भी न करना।' अकादमिक जर्नल 'एड्रोगोगिका' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जब हम बिना किसी उद्देश्य के बैठते हैं या बस खिड़की से बाहर देखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क का 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। यह नेटवर्क रचनात्मकता को बढ़ाता है, मानसिक थकान को दूर करता है और भविष्य की चिंताओं को कम करने में मदद करता है।

भारी वजन उठाना या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग

मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकसर वॉक या कार्डियो वर्कआउट की सलाह दी जाती है, लेकिन वर्ष 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित 33 नैदानिक परीक्षणों के एक बड़े विश्लेषण में पाया गया कि रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (वजन उठाना या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) सीधे तौर पर अवसाद के लक्षणों को कम करती है। वजन उठाने से मस्तिष्क में ब्रेन डीराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर प्रोटीन का स्तर बढ़ता है। यह प्रोटीन नए मस्तिष्क सेल्स के निर्माण और न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मानसिक मजबूती आती है। आप मेंटली स्ट्रॉन्ग महसूस करते हैं।

प्रोबायोटिक्स और साइकोबायोटिक्स

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हमारा पेट हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है। हमारे पेट में मौजूद बैक्टीरिया सीधे तौर पर हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। 'गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' जर्नल के एक शोध के अनुसार, विशिष्ट प्रोबायोटिक्स (जिन्हें साइकोबायोटिक्स कहा जाता है) का सेवन करने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में कमी देखी गई है। पेट के गुड बैक्टीरिया शरीर का 90 प्रतिशत सेरोटोनिन यानी 'हैप्पी हार्मोन' बनाते हैं। इसलिए, खान-पान में सुधार सीधे मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

अज्ञात जगहों की यात्रा-नई भाषा सीखना

मस्तिष्क को पुरानी दिनचर्या और एक ही ढर्रे पर जीने से बोरियत और मानसिक थकान होती है। न्यूरोसाइंटिफिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं, जहां आप पहले कभी नहीं गए या कोई नई भाषा/संगीत वाद्ययंत्र सीखते हैं, तो मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस क्षेत्र में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के सिद्धांतों के अनुसार, यह दिमागी लचीलापन पुरानी नकारात्मक सोच के चक्र को तोड़ने में मदद करता है।

क्रायोथेरेपी और कोल्ड शावर

सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहाना आपके मूड को तुरंत बदल सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'हॉर्मेसिस' कहा जाता है, यानी शरीर को एक छोटा, नियंत्रित तनाव देना जो अंततः फायदेमंद साबित हो। 'मेडिकल हाइपोथीसिस' जर्नल के एक प्रसिद्ध अध्ययन के अनुसार, ठंडे पानी से नहाने से मस्तिष्क में नॉरपेनेफ्रिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ जाता है। यह त्वचा से मस्तिष्क तक भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल इंपल्स भेजता है, जिससे डिप्रेशन के लक्षणों में दवा जैसी राहत मिल सकती है।

बाइनॉरल बीट्स

यह एक प्रकार का श्रवण भ्रम है, जो तब बनता है जब दोनों कानों में दो अलग-अलग आवृत्तियों की थोड़ी भिन्न ध्वनियां सुनाई जाती हैं। 'बाइनॉरल' शब्द का अर्थ है 'दो कानों से संबंधित'। इसमें यह सिद्धांत काम करता है कि यदि दाएं कान में 300 हर्ट्ज और बाएं कान में 310 हर्ट्ज की ध्वनि दी जाए, तो दिमाग को 10 हर्ट्ज की तीसरी बीट का अहसास होता है। माना जाता है कि यह तकनीक मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित कर विश्राम या ध्यान की स्थिति में मदद करती है। यदि आपको ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, तो ध्वनि विज्ञान आपकी मदद कर सकता है। 'फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस' के शोध के अनुसार, बाइनॉरल बीट्स सुनने से गहरी शांति मिलती है और एंग्जाइटी कम होती है। यह तकनीक मस्तिष्क को बिना किसी विशेष प्रयास के ध्यान की स्थिति में ले जाती है।





वॉर्म्थ थेरेपीः गर्माहट का एहसास

जैसे ठंडा पानी काम करता है, वैसे ही शरीर को गहराई से गर्म करना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। 'जामा साइकियाट्री' में प्रकाशित एक क्लीनिकल ट्रायल के अनुसार, 'होल-बॉडी हाइपरथर्मिया' (शरीर का तापमान बढ़ाना, जैसे गर्म टब में) से डिप्रेशन के लक्षणों में हफ्तों तक चलने वाली कमी देखी गई। गर्मी मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन को बढ़ाती है, जो नए ब्रेन सेल्स बनाने में मदद करता है।

एक्सप्रेसिव राइटिंग

यह केवल डायरी लिखना नहीं है, बल्कि बिना किसी काट-छांट के अपने सबसे गहरे और नकारात्मक विचारों को कागज पर उतारना है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के प्रसिद्ध शोधों से पता चलता है कि हर दिन 15-20 मिनट तक अपने तनाव या आघात के बारे में लिखने से वर्किंग मेमोरी बेहतर होती है, तनाव कम होता है और यहां तक कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह मस्तिष्क के इमोशनल सेंटर की अति-सक्रियता को शांत करता है। इससे दिमाग शांत और संतुष्टि महसूस करता है।

क्रोनोथेरेपी यानी जैविक घड़ी की सही सेटिंग

अपनी जैविक घड़ी को रीसेट करना अकसर मानसिक समस्याओं का सीधा संबंध हमारे सोने और जागने के गलत समय से होता है। क्रोनोथेरेपी में प्रकाश और समय के नियंत्रित उपयोग से जैविक घड़ी को ठीक किया जाता है। 'द लैंसेट साइकियाट्री' के एक अध्ययन के मुताबिक, सुबह की तेज धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का चक्र नियमित होता है। यह न केवल नींद की समस्याओं को ठीक करता है, बल्कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर और गंभीर डिप्रेशन में भी बेहद प्रभावी पाया गया है। *



न्यूट्रिशस फूड्स खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे स्ट्रेंथ और एनर्जी मिलती है। हम कई तरह के रोगों से भी बचे रहते हैं। लेकिन हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी डाइट से हमारा मूड भी हैप्पी रहता है, मेंटल हेल्थ बढ़िया रहती है।

मूड रहेगा हैप्पी-पॉजिटिव रेग्युलर खाएं हेल्दी फूड्स

मेंटल हेल्थ / लोकमित्र गौतम

हमारा भोजन केवल पेट नहीं भरता, वह हमारे मस्तिष्क से संवाद भी करता है। इसलिए जब मन उदास हो, तनाव बढ़े या दिमाग धुंध में डूबा लगे, तो सवाल केवल यह नहीं कि हम क्या सोच रहे हैं- यह भी है कि हम क्या खा रहे हैं, कैसे सो रहे हैं और अपने शरीर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह आज के दौर में ज्यादातर लोगों की समस्या है। हममें से बहुत से लोग इसे कभी थकान, कभी तनाव, कभी उम्र और कभी खराब याद्दाश्त का नाम देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हमारे मन, मस्तिष्क और भोजन के बीच भी कोई ऐसा रिश्ता है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं? 'साइकोलॉजी नाउ' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित दो लेख- हैप्पी फूड और व्हाट इज ब्रेन फॉग? को साथ रखकर देखें तो एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। पहला लेख जहां हमें यह बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'मन' का मामला नहीं है, इसमें भोजन और शरीर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दूसरा लेख उस अनुभव की पड़ताल करता है, जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसका दिमाग जैसे धुंध से भर गया है। कहीं ध्यान नहीं लग रहा, बातें भूल रही हैं और सोचने की गति बेहद धीमी पड़ गई है। इन दोनों को मिलाकर देखें तो क्लीयर होता है कि हमारे भोजन और हमारे दिमाग के बीच सीधा रिश्ता है।





अच्छे खाने से मिले खुशीः भोजन को अब केवल पेट भरने या कैलोरी गिनने की चीज मानकर नहीं देखा जा सकता है। हमारा मस्तिष्क लगातार काम करता है। सोचने, याद रखने, निर्णय लेने और भावनाओं को समझने की जटिल प्रक्रिया में शरीर और मस्तिष्क के बीच निरंतर संवाद चलता रहता है। वास्तव में खुश करने वाले भोजन यानी हैप्पी फूड का केंद्रीय विचार यही है कि हमारे भोजन और 'ब्रेन फंक्शन' के बीच गहरा संबंध है। भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर की उन प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनका संबंध हमारे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक सलामती से है। खाने का संबंध केवल हमारी फिटनेस तक सीमित नहीं रह गया है। यह हमारे मूड, ऊर्जा और मानसिक सक्रियता की बातचीत का भी हिस्सा बन गया है। कहने का मतलब यह कि पाचनतंत्र और मस्तिष्क को अलग-अलग मानना पूरी तरह सही नहीं है। शरीर के भीतर विभिन्न प्रणालियां लगातार एक-दूसरे से संवाद करती हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता का असर हमारे अनुभवों से पूरी तरह अलग नहीं माना जा सकता।

क्या है ब्रेन फॉगः जब व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो, चीजें याद करने में कठिनाई महसूस हो, सोचने में स्पष्टता न रहे या मानसिक रूप से लगातार थकान महसूस हो, तो वह कह सकता है मेरा दिमाग आजकल ठीक से काम नहीं कर रहा। लेकिन साइकोलॉजी नाउ में छपा लेख, 'व्हाट इज ब्रेन फॉग', इसी अनुभव को सामने रखता है। वास्तव में इसमें कंसंट्रेशन की कठिनाई, मेमोरी प्रॉब्लम्स और मानसिक अस्पष्टता जैसी स्थितियों का ही उल्लेख किया गया है। लेकिन 'ब्रेन फ्रॉग' का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि ऐसा व्यक्ति जो इससे जूझ रहा हो, बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखता है। वह अपना काम कर रहा होता है, लोगों से मिल रहा होता है, घर संभाल रहा होता है। लेकिन भीतर उसे लगता है कि उसकी मानसिक गति कुंद पड़ गई है। सवाल यह है कि क्या इसका रिश्ता हमारे खाए जाने वाले भोजन से भी होता है?

हैप्पी फूड-ब्रेन फॉग में रिलेशनः आमतौर पर जब तनाव बढ़ता है, तो हम जल्दी में खाना खाते हैं। थकान बढ़ती है तो हम प्रोसेस्ड फूड खाने में जोर देते हैं या मीठी चीजों खाना चाहते हैं, क्योंकि तत्काल रूप से यही खाना संतुष्टि देता है। नए अध्ययन में यह सामने आया है कि मन, शरीर, नींद, तनाव और भोजन को अलग-अलग खांचों में रखकर नहीं समझा जा सकता। 'ब्रेन फॉग' में तनाव, एंजाइटी, नींद की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों के संदर्भ में मानसिक अस्पष्टता की चर्चा हैप्पी फूड के निष्कर्षों से ही मेल खाता है। कहने का मतलब यह कि हैप्पी फूड, संतुलित और पोषक भोजन को हमारी मानसिक सलामती के संदर्भ में रखता है। मतलब यह कि अगर दिमाग को स्वस्थ रखना है तो हमें ऐसे फूड से नाता जोड़ना होगा, जो हमें खुश रखते हैं।

क्या होते हैं हैप्पी फूड्सः हैप्पी फूड कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का समूह है, जिन्हें पोषण की दृष्टि से उपयोगी माना गया है। इनमें एवोकाडो, बादाम, बेरीज, डार्क चॉकलेट, मशरूम, ओट्स और सालमन शामिल हैं। हैप्पी फूड का सीधा-सा मतलब है, ऐसा फूड जिसे खाने से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें और जो भोजन की पूरी गुणवत्ता पर खरा उतरता हो। विविधता से भरपूर भोजन, पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थ, अच्छे फैट, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से संतुलित आहार हैप्पी फूड्स की श्रेणी में आते हैं और ये सभी कारगर हैं। *



गजल
कृष्ण बिहारी

बात जमाने की

तुम भी क्या बात करते हो जमाने की
यहां तो होड़ लगी है गंगा नहाने की।

पानी कम है चलो ये मान लिया हमने
जरूरत क्या है चुल्लू में डूब जाने की।

कोई मजबूरी है तो उसे कुबूल करो
सुनेगा कौन किसी बेवजह बहाने की।

जिंदगी भर जो आंसुओं के साथ रहा
कोशिश करता रहा सबको हंसाने की।

कुछ कदम साथ चलो तो जान जाओगे
उद्धम को क्या खबर अपने मुहाने की।

जानता हूं अकेला मैं टूट जाऊंगा
ताकतें कम भी नहीं मुझको झुकाने की।

व्यंग्य / महेश कुमार केशरी

चीनी के साथ कटोरी भी फ्री दीजिए

जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। तो सोचना क्या है, कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए।



एक रोज पड़ोसी ने सुबह-सुबह ही दरवाजा खटखटाया। खटखटाकर पूछा, 'कैसे हैं श्रीमान!' हंसते हुए जब उन्होंने किया प्रणाम, तो बदले में मुझे भी करना पड़ा प्रणाम। जब दांत फाड़कर उन्होंने दिखाया अपना जबड़ा, तो मुझे भी दिखाना पड़ा अपना मुस्कुराता थोबड़ा। फिर उन्होंने हमसे पूछा, 'आपको तो साल भर हुआ सोसाइटी में आए। आप तो ईद के चांद हो गए हैं। क्या एकांत जीवी हैं आप या ले लिया है संन्यास? क्या सोसाइटी के किसी प्रोग्राम में नहीं है आपको दिलचस्पी?'

इस पर मैंने कहा, 'नहीं ऐसा तो नहीं है श्रीमान।'

वे बोले, 'ठीक है तब कभी आइए, हमारे घर चाय पीने। कभी अपने घर भी बुलाइए। इसी बहाने मेल-जोल बढ़ेगा। आदमी मेल-जोल बढ़ाने से ही सामाजिक बनता है।'

उनकी बात को मैं टाल गया। लेकिन वो अगले दिन फिर आ धमके। खींसे निपोरते बोले, 'आपको परेशानी तो होगी। हो गई है रात। नहीं तो बाजार जाकर भी ला सकता था सामान। नहीं देता कोई आपको कष्ट। पड़ोसी हैं तो पड़ोसी होने के नाते काम आना चाहिए।' मैं बोला, 'जी भाई आप बताइए, क्या कोई जरूरी काम है?' 'काम तो कोई खास नहीं। मेरे यहां चीनी खत्म हो गई है। आज आप मेरा काम चलाइए, कल आपका काम मैं चलाऊंगा। बस इतनी सी है बात।' उन्होंने गुजारिश की। मैंने कहा, 'लेकिन चीनी कैसे दूं। आप तो खाली हाथ आए हैं!' वे तुरंत बोले, 'अरे श्रीमान ये इतनी बड़ी समस्या नहीं है। आसान है निदान। जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए। फिर कटोरी ग्लास का आदान-प्रदान चलता रहेगा।' पिंड छुड़ाने के लिए एक कटोरा चीनी उनको निकालकर दे दिया। पड़ोसी लाल हंसते हुए चले गए। लेकिन इसके बाद वो रोज ही आने लगे। कभी चीनी मांगने, कभी तेल मांगने। कभी कटोरी लौटाने के बहाने से आते और मेरा आटा गीला कर जाते। इस तरह से मेरा राशन का बजट बिगड़ने लगा। कभी कटोरी लौटाने के बहाने आते और आकर किचन में यह कहते हुए घुस जाते कि लगता है आज कुछ स्पेशल बन रहा है! क्यों ना खाना आज आपके यहां खा लूं!

इस तरह रोज वो आते और किसी ना किसी बहाने से कुछ ना कुछ खाते या कटोरी में ले जाते। कभी कहते, 'मेरी पत्नी को भिंडी मसाला बनाना ही नहीं आता है। आपके यहां की भिंडी मसाला क्या गजब का बनता है। आपके यहां की पालक पनीर के क्या कहने। वाह! नाम लेते ही देखिए मुंह में पानी आ गया।' मैं आशय समझ जाता और कटोरे में दाल और सब्जी भरकर ले आता। मटन, चिकन जिस दिन बनता, वे पूरे दिन मेरे घर में ही अड्डा जमाए रहते। कहते, 'भाई बहुत चिकन और मटन खाया हूं। लेकिन भाभीजी के हाथों में तो जैसे जादू है। ऐसा खाना मैंने पूरी जिंदगी में कभी नहीं खाया है।' उनका आशय मैं समझ जाता और खीझते हुए ही सही, उन्हें कटोरी भरकर दे देता हूं। *

लघुकथा / देवेंद्र सिंह सिसौदिया

अनुभवी



कॉलोनी के पार्क में सुबह की सैर पर निकले शर्मा जी ने उत्साहित होकर वर्मा जी से कहा, 'सुना आपने, हाल ही में हुए घोटाले की जांच के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है!' 'अच्छी बात है,' वर्मा जी बोले, 'अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' 'होना ही चाहिए। सचिव स्तर की समिति है। बड़े-बड़े अधिकारी इस जांच समिति के सदस्य हैं।' शर्माजी ने कहा। कुछ देर बाद टहलते- टहलते वर्मा जी ने पूछा, 'जांच का नेतृत्व कौन कर रहा है?'

'अरोरा साहब...' शर्मा जी ने बताया।

'वही अरोरा, जो कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अमानत में खयानत के आरोप में निलंबित हुए थे?'

शर्मा जी कुछ पल सोचते रहे, फिर बोले, 'हां... वही अरोरा साहब।' दोनों के कदम एकाएक रुके और दोनों पार्क में लगी बेंच पर बैठ गए। कुछ देर दोनों के बीच खामोशी छाई रही। फिर वर्मा जी मुस्कुराए और बोले, 'जांच के लिए अनुभवी आदमी ही चुना है। चोरी के सारे तौर-तरीके अच्छी तरह जानते हैं... दूध से पानी अलग करने में आसानी रहेगी।' यह सुनकर शर्मा जी ने भी मुस्कुराते हुए अपनी सहमति प्रकट की। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

विद्यासागर नौटियाल पर एकाग्र



टिहरी गढ़वाल के छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले कथाकार विद्यासागर नौटियाल ने, हिंदी साहित्य में पहाड़ी जीवन की तमाम विसंगतियों को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाशीलता के तमाम आयामों को विवेचित करता 'बनास जन' पत्रिका का विशेषांक (प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल) हाल में प्रकाशित हुआ है। इसमें कई युवा और वरिष्ठ लेखकों ने उनकी कहानियों, उपन्यासों और कथेतर साहित्य को मूल्यांकित किया है। पत्रिका के संपादक पल्लव ने नौटियाल की रचनाशीलता पर सटीक टिप्पणी की है। वे लिखते हैं, 'पहाड़ की रमणीयता में वे वंचितों के दबे स्वरों को खूब पहचानते हैं और उन्हें अपने लेखन में जरूरी जगह प्रदान करते हैं।' उनकी कहानियों के बारे में कई लेखकों ने बेहतरीन लेख लिखे हैं। शंभु गुप्त का लेख विशेष रूप से पठनीय है। अपने लेख में वे लिखते हैं, 'विद्या सागर नौटियाल गहरे जन-प्रतिबद्ध व लोक समर्पित कथाकार हैं।' पत्रिका में नौटियाल से जुड़े कुछ मार्मिक संस्मरण भी पढ़े जा सकते हैं। 'पहाड़ के प्रति प्रतिबद्ध जीवन' संस्मरणात्मक लेख में वरिष्ठ लेखक नवीन जोशी कहते हैं, 'यह उनकी पहाड़ के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। इसके लिए उन्होंने (कम्युनिस्ट) पार्टी लाइन का खुला विरोध कर दिया था।' *

पत्रिकाः बनास जन (विशेषांक-प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए, प्रकाशन स्थलः शालीमार बाग, नई दिल्ली

विशेषः इंडियन एयर फोर्स डे, 8 अक्टूबर

सुरक्षा-पराक्रम-सेवा की मिसाल भारतीय वायु सेना

आसमान की ऊंचाइयों से देश की सीमाओं की चौकसी, दुर्गम मोर्चों पर साहस और संकट की घड़ी में नागरिकों के लिए जीवनरक्षक बनकर उतरना- भारतीय वायु सेना की पहचान बहुआयामी है। वायु सेना दिवस (8 अक्टूबर) के अवसर पर आपको भी जानना चाहिए भारतीय वायु सेना की विशिष्टताओं और इसकी निरंतर बढ़ती शक्ति के बारे में।



गर्व
शिखर चंद जैन

भारतीय वायु सेना, देश की सीमाओं की रक्षा करने वाली सशस्त्र सेनाओं का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और गौरवशाली अंग है। 8 अक्टूबर 1932 को स्थापित हुई हमारी वायु सेना आज अपनी बेजोड़ युद्धक क्षमता, अत्याधुनिक तकनीकों और मानवीय दृष्टिकोण के कारण दुनिया भर में एक मिसाल बन चुकी है। 'नभः स्पृशं दीप्तम्' यानी 'गर्व के साथ आकाश को छुओ', इस आदर्श वाक्य को चरितार्थ करने वाली हमारी वायु सेना न केवल युद्ध के मैदान में दुश्मनों के छक्के छुड़ाती है, बल्कि शांति काल में भी देश के नागरिकों की जीवन रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहती है।

सबसे ऊंचे और कठिन क्षेत्रों में संचालनः भारतीय वायु सेना के पास दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण और ऊंचे इलाकों में विमान उड़ाने का अनूठा अनुभव है। लद्दाख में स्थित दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी पर 16,604 फीट की ऊंचाई पर विमान उतारकर वायु सेना ने एक विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। इसके अलावा, सियाचिन ग्लेशियर पर 22,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित सैन्य चौकियों तक नियमित रसद और जीवन रक्षक सामग्रियां पहुंचाना वायु सेना के हेलीकॉप्टर पायलटों के अदम्य साहस को दर्शाता है।

एशिया का सबसे बड़ा वायु सेना स्टेशन- हिंडन एयरबेसः उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में स्थित हिंडन एयरबेस भारतीय वायु सेना का एक प्रमुख रणनीतिक केंद्र है। यह पूरे एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का सातवां सबसे बड़ा वायु सेना स्टेशन माना जाता है। यह एयरबेस देश की राजधानी दिल्ली की सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। यहीं से कई बड़े सैन्य अभियानों का संचालन और समन्वय किया जाता है।

युद्धों और सैन्य अभियानों का गौरवशाली इतिहासः आजादी के बाद से भारतीय वायु सेना ने देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए कई बड़े युद्धों में हिस्सा लिया है, जिनमें 1947, 1965, 1971 और 1999 (कारगिल युद्ध) के भारत-पाकिस्तान युद्ध तथा 1962 का भारत-चीन युद्ध शामिल हैं। इनके अलावा ऑपरेशन मेघदूत (1984) सियाचिन ग्लेशियर पर नियंत्रण पाने के लिए चलाया गया ऐतिहासिक अभियान था। जबकि ऑपरेशन सफेद सागर (1999) के नाम से कारगिल युद्ध के दौरान पहाड़ों की चोटियों पर छिपे घुसपैठियों पर सटीक हवाई हमले किए गए। बहुचर्चित बालाकोट एयरस्ट्राइक (2019) आतंकवाद के खिलाफ सीमा पार जाकर की गई आधुनिक सर्जिकल स्ट्राइक का सबसे बेहतरीन उदाहरण बन गया।



पिछले साल मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ निर्णायक और सटीक कार्रवाई करके दुनिया भर में अपनी धाक जमा ली।

विश्व की तीसरी सर्वश्रेष्ठ वायुसेनाः भारतीय वायुसेना, अमेरिका और रूस की वायु सेना के बाद दुनिया की तीसरी सर्वश्रेष्ठ वायु सेना है। लगभग 1,40,000 से अधिक सक्रिय सैनिकों और 1,500 से अधिक विमानों के विशाल बेड़े के साथ यह एशिया और वैश्विक स्तर पर रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में एक बड़ी भूमिका निभाती है। भारतीय वायु सेना के पास विभिन्न प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए एक बेहद संतुलित और अत्याधुनिक विमानों का बेड़ा है। इस बेड़े में राफेल, सुखोई, मिराज और मिग-29 जैसे दुनिया के अत्याधुनिक और बेहतरीन लड़ाकू विमान शामिल हैं।

स्वदेशीकरण में बड़ी छलांगः हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित 'तेजस' एक हल्का, बहुउद्देशीय और चौथी पीढ़ी का स्वदेशी लड़ाकू विमान है जिसे वायु सेना में शामिल किया गया है। इसके अलावा, भारत में ही निर्मित 'प्रचंड' हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर 'ध्रुव' वायु सेना की मारक क्षमता को बढ़ा रहे हैं, जो ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भी दुश्मन को नेस्तनाबूत कर सकते हैं।

रणनीतिक-विशाल परिवहन क्षमताः भारतीय वायु सेना एक साथ सी-17 ग्लोबमास्टर-3, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और इल्युशिन II-76 जैसे विशालकाय मालवाहक विमानों का संचालन करती है। इनकी मदद से भारी टैंकों, तोपों और सैनिकों को कुछ देर में कहीं भी तैनात किया जा सकता है।

मानवीय सहायता-आपदा राहत में हरदम आगेः युद्ध कौशल के अलावा, भारतीय वायु सेना को उसकी असाधारण मानवीय सेवा के लिए भी जाना जाता है। देश के भीतर बाढ़, भूकंप, चक्रवात या कोई भी प्राकृतिक आपदा हो या फिर कोई वैश्विक महामारी, वायु सेना के हेलीकॉप्टर 'दूत' बनकर आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा करने को पहुंच जाते हैं। केवल भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी आपदा के समय भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन राहत, ऑपरेशन कावेरी जैसे अभियानों के जरिए राहत एवं बचाव कार्य करके अपनी वैश्विक पहचान बनाई। *



अपराजेय गरुड़ कमांडो फोर्स

भारतीय वायु सेना के पास अपनी एक अत्यंत कुशल और घातक विशेष बल इकाई है, जिसे 'गरुड़ कमांडो फोर्स' कहा जाता है। वर्ष 2004 में स्थापित इस बल का मुख्य काम वायु सेना के महत्वपूर्ण ठिकानों, एयरबेस और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना, आतंकवाद विरोधी अभियान, हवाई बचाव कार्य और युद्ध के समय दुश्मन के इलाके में जाकर महत्वपूर्ण मिशनों को अंजाम देना शामिल है।

इसमें संदह नहीं कि एआई ने अनेक कामों को ईजी बनाया है। ऐसे में अपनी प्रोफेशनल वैल्यू बनाए रखने, उसमें ग्रोथ करने और बेहतर तरीके से काम को अंजाम देने के लिए रेग्युलर स्किल अपडेट्स करना जरूरी है।

एआई के दौर में बहुत जरूरी हैं रेग्युलर स्किल अपडेट्स

सजेशन
अंजू जैन



एक समय था जब नौकरी पाने के लिए डिग्री पर्याप्त मानी जाती थी। फिर डिग्री के साथ टेक्निकल या कंप्यूटर नॉलेज और अंग्रेजी बोलना जरूरी हो गया। अब एआई को समझना, उसे हैंडल करना भी जरूरी होता जा रहा है।

तकनीक के साथ समझ जरूरीः विश्व आर्थिक मंच की फ्यूचर ऑफ जॉब्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक लगभग 40 प्रतिशत वर्क स्किल में बदलाव आने की उम्मीद है। एआई और बिग डेटा की समझ की जरूरत है, लेकिन एनालिटिकल सोच, क्रिएटिविटी, लचीलापन, लीडरशिप और सीखते रहने की क्षमता भी महत्वपूर्ण बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का आकलन भी बताता है कि दुनिया के लगभग हर चार में से एक काम में जेनरेटिव एआई का कुछ न कुछ एक्सपोजर है, लेकिन अधिकांश मामलों में तस्वीर नौकरी के पूरी तरह खत्म होने की बजाय काम के बदलने की है। जाहिर है आने वाले समय में कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत होगी, जो तकनीक के साथ-साथ मनुष्य, समाज, संस्कृति, नैतिकता और जटिल समस्याओं को भी समझ सकें। ऐसे में युवाओं के लिए कुछ विषय और स्किल को समझना विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं।



'सवाल पूछने' की कलाः एआई से बेहतर उत्तर पाने के लिए बेहतर सवाल पूछना जरूरी है। लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, यह पहचानना कि सवाल सही है या नहीं। आज विद्यार्थी उत्तर खोजने में बहुत समय लगाते हैं। भविष्य में वे सही समस्या पहचानने में समय लगाएंगे। समस्या की सही परिभाषा, संदर्भ और उद्देश्य समझना किसी भी एआई टूल से अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है।

एआई को सहायक बनाइएः एआई से डरकर उससे दूर भागना व्यावहारिक रणनीति नहीं है। बेहतर तरीका है अपने पेशे में एआई का उपयोग सीखना। लेखक रिसर्च और ड्राफ्टिंग में, वकील दस्तावेजों के विश्लेषण में, डॉक्टर प्रशासनिक काम में, शिक्षक शिक्षण सामग्री तैयार करने में और व्यापारी डेटा विश्लेषण में एआई का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन अंतिम निर्णय, तथ्य, जांच और जिम्मेदारी हमारी ही रहनी चाहिए।

केवल प्रॉम्प्ट राइटर न बनेंः आज सही प्रॉम्प्ट लिखना उपयोगी कौशल है, लेकिन किसी एक टूल या तकनीक को पूरा करियर मान लेना जोखिम भरा हो सकता है। तकनीक बदलती रहती है। इस मामले में बेहतर रणनीति है अपने मूल विषय के साथ एआई का संयोजन तैयार करना। पत्रकार, डॉक्टर, शिक्षक, डिजाइनर, वकील, मार्केटिंग प्रोफेशन में एआई का यूज कैसे हो सकता है, यह जानना जरूरी है। यही संयोजन आपको अपने क्षेत्र में अधिक सक्षम बना सकता है।

क्रिएटिविटी की बनी रहेगी डिमांडः एक मशीन हजारों विकल्प तैयार कर सकती है, लेकिन कौन-सा विकल्प हमारे लिए अर्थपूर्ण है, यह तय करना अभी भी मानवीय समझ मांगता है। विश्व आर्थिक मंच ने रचनात्मक सोच को उन कौशलों में शामिल किया है, जिनकी मांग आने वाले वर्षों में बढ़ने की उम्मीद है। इसलिए लेखन, कहानी कहने, डिजाइन, विचार निर्माण, समस्या-समाधान और नए दृष्टिकोण विकसित करने की क्षमता आने वाले दौर में बनी रहेगी। उसमें एआई का कैसे बेहतर यूज हो सकता है, यह समझना जरूरी है।

इंटरडिसिप्लिनरी स्टडी है जरूरीः भविष्य में विषयों की दीवारें कमजोर होंगी। कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थी को मनोविज्ञान की समझ काम आ सकती है और इंजीनियर को समाजशास्त्र की। इसी तरह पत्रकार को डेटा, डेटा साइंटिस्ट को संचार और एआई विशेषज्ञ को नैतिकता समझनी पड़ सकती है। एक विषय में गहराई और दूसरे विषयों की पर्याप्त समझ- यह संयोजन रोजगार की नई ताकत बन सकता है।

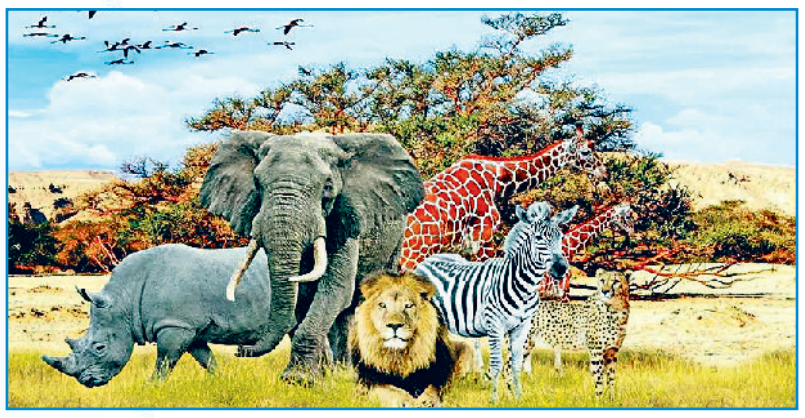
हर सूचना पर भरोसा न करेंः ध्यान रखें कि एआई बहुत आत्मविश्वास से गलत उत्तर भी आपको दे सकता है। इसलिए भविष्य की एक महत्वपूर्ण क्षमता होगी- सत्यापन। किसी एआई-जेनरेटेड उत्तर को इस्तेमाल करने से पहले स्रोत देखना, आंकड़े जांचना, संदर्भ समझना और दूसरी स्वतंत्र जानकारी से मिलान करना जरूरी होगा। यही कारण है कि क्रिटिकल थिंकिंग केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं, हर पेशेवर के लिए आवश्यक बनती जा रही है। *

जागरूकता
नेहा जैन

विशेषः विश्व पशु दिवस, 4 अक्टूबर

यह दुनिया तभी सुरक्षित रहेगी, जब प्रकृति के सभी अंगों के बीच संतुलन होगा। हमारे अस्तित्व के लिए पेड़-पौधों के साथ ही पशुओं की विभिन्न प्रजातियों का होना भी जरूरी है। आज विश्व पशु दिवस के अवसर पर, पशुओं की महत्ता समझना जरूरी है।

दुनिया के लिए कम नहीं पशुओं की महत्ता



दुनिया भर में पशु अधिकारों और उनके कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 4 अक्टूबर को विश्व पशु दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के विश्व पशु दिवस की आधिकारिक थीम 'उनकी आंखों से दुनिया देखें' निर्धारित की गई है। इस विषय का उद्देश्य इंसानों को अपनी स्वार्थी सोच से बाहर निकलकर यह समझने के लिए प्रेरित करना है कि बेजुबान जानवर इस बदलती हुई दुनिया को किस तरह महसूस करते हैं। यह दिवस पशुओं के प्रति क्रूरता को समाप्त करने और उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करने का एक वैश्विक संकल्प है।

दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकताः इस वर्ष की थीम 'उनकी आंखों से दुनिया देखें', हमें अपने सोचने के पारंपरिक तौर-तरीकों को बदलने की चुनौती देती है। सामान्यतः मनुष्य पूरी प्रकृति और अन्य जीवों को केवल अपनी आवश्यकताओं, आर्थिक लाभ और उपभोग के चश्मे से देखता है। लेकिन यह थीम हमें सिखाती है कि हमें एक पल के लिए ठहरकर यह सोचना चाहिए कि हमारे द्वारा फैलाया गया प्रदूषण, शहरीकरण और जंगलों की कटाई जानवरों के जीवन को कैसे प्रभावित कर रही है। जब हम खुद को एक बेजुबान जीव के स्थान पर रखकर देखेंगे, तभी हम उनके दर्द, उनकी असुरक्षा और उनके अस्तित्व के संकट को महसूस कर पाएंगे।

पशु कल्याण के प्रति एकजुटताः विश्व पशु दिवस केवल पालतू जानवरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पृथ्वी पर मौजूद हर छोटे-बड़े जीव के अधिकारों की वकालत करता है। इस वर्ष की थीम के अंतर्गत दुनिया भर के पशु अधिकार संगठनों, पर्यावरणविदों और आम नागरिकों को एकजुट किया जा रहा है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर ऐसे कड़े कानून बनाना और लागू करना है, जो प्रयोगशालाओं में पशुओं पर होने वाले क्रूर परीक्षणों, उद्योगों में उनके शोषण और अवैध शिकार को पूरी तरह से रोक सकें। जब दुनिया जानवरों के नजरिए से सोचेगी, तो उनके अधिकारों की रक्षा के लिए नीतियां बनाना और अधिक व्यावहारिक हो जाएगा।



रोकें प्राकृतिक आवासों का विनाशः मनुष्यों ने अपने उद्योगों, सड़कों और कंक्रीट के जंगलों का विस्तार करने के लिए वन्यजीवों के सदियों पुराने प्राकृतिक आवासों को नष्ट कर दिया है। यदि हम एक बाघ, हाथी या किसी पक्षी की आंखों से देखें, तो उनके लिए उनका घर लगातार सिमट रहा है, भोजन और पानी के स्रोत खत्म हो रहे हैं, और वे अपने ही घर में बेगाने हो चुके हैं। यही कारण है कि आज 'मानव-वन्यजीव संघर्ष' की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हम उनके आवासों को सुरक्षित नहीं करेंगे, तो हम पृथ्वी की अनमोल जैव विविधता को हमेशा के लिए खो देंगे।

मूक पशुओं के प्रति सहानुभूतिः सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं जैसे कुत्ते, बिल्ली या मवेशी को अकसर इंसानी गुस्से, वाहनों की टक्कर और भुखमरी का सामना करना पड़ता है। इस वर्ष का मुख्य संदेश यह है कि ये बेजुबान जीव भी इंसानों की तरह ही डर, दर्द, भूख और स्नेह की भावनाओं को महसूस कर सकते हैं। उनकी नजर से देखने पर एक जलती हुई प्लास्टिक की थैली या पटाखों का शोर किसी भयानक दुःस्वप्न से कम नहीं है। समाज में इस संवेदनशीलता को जगाकर ही हम पशुओं के खिलाफ होने वाली घरेलू और सामाजिक क्रूरता को काफी हद तक समाप्त कर सकते हैं।

प्रत्येक जीव की अद्वितीय भूमिकाः प्रकृति में कोई भी जीव व्यर्थ नहीं है। चाहे वह मधुमक्खी हो जो परागण के जरिए इंसानों के लिए अनाज-फलों के उत्पादन में सहायता करती है, या गिद्ध जो पर्यावरण को साफ रखते हैं। हर जीव पारिस्थितिक तंत्र की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस वर्ष की थीम दर्शाती है कि यदि हम इन जीवों को उनके नजरिए से जीने की स्वतंत्रता नहीं देंगे, तो पूरा प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाएगा। किसी एक प्रजाति का विलुप्त होना इंसानी सभ्यता के अंत की शुरुआत हो सकता है, क्योंकि हमारा अस्तित्व पूरी तरह से इन जीवों की परस्पर निर्भरता पर टिका हुआ है।

जलवायु परिवर्तन का पशुओं पर प्रभावः ग्लोबल वॉर्मिंग, समुद्री जलस्तर का बढ़ना और प्लास्टिक प्रदूषण आज के समय की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। यदि हम एक समुद्री कछुए या व्हेल की जगह खुद को रखें तो समझ जाएंगे कि पूरा महासागर प्लास्टिक के कचरे का एक डंपयार्ड बन चुका है, जिसे वे अनजाने में भोजन समझकर खा लेते हैं और तड़प-तड़प कर मर जाते हैं। इसी तरह, पिघलते ग्लेशियर ध्रुवीय भालू के अस्तित्व को मिटा रहे हैं। जाहिर है, हमारी आधुनिक जीवनशैली का खामियाजा उन जीवों को भुगतना पड़ रहा है, जिनका प्रदूषण फैलाने में कोई हाथ नहीं है। *

छोटे-छोटे प्रभावी प्रयास

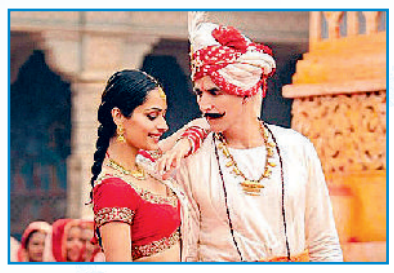
इस वर्ष की थीम को सार्थक बनाने के लिए किसी बड़े बजट या संगठन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर बदलाव ला सकता है।

- अपने घर की छत या बालकनी पर पक्षियों के लिए दाना और साफ पानी रखें।
- गर्मियों और सर्दियों में आवारा पशुओं के लिए छाया या बैठने के लिए अस्थाई शेल्टर की व्यवस्था करें।
- प्लास्टिक का उपयोग कम करें ताकि वह कचरे के रूप में किसी जानवर के पेट में न जाए।
- सड़क पर किसी घायल जानवर को देखकर मुंह मोड़ने के बजाय पशु हेल्पलाइन या स्थानीय पशु चिकित्सालय से संपर्क करें।
- शाकाहारी या क्रूरता मुक्त उत्पादों को प्राथमिकता दें।

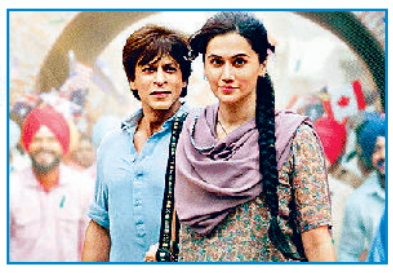
सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी फिल्मों के नायकों की उम्र जब बढ़ती है तो उसका स्टारडम और एवरग्रीन कहकर हर रोल में स्वीकार कर लिया जाता है, लेकिन नायिका की उम्र बढ़ते ही उसके किरदार बदल जाते हैं। हिंदी सिनेमा के इस दोहरे मापदंड पर एक नजर।

नायक की उम्र को सलाम नायिका की उम्र पर सवाल



'सम्राट पृथ्वीराज' में अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर



'डंकी' में शाहरुख खान-तापसी पन्नू

हिंदी सिनेमा में उम्र का हिसाब बड़ा दिलचस्प है। नायक की उम्र बढ़ती है तो उसका अनुभव, व्यक्तित्व और स्टारडम बढ़ता हुआ बताया जाता है। लेकिन नायिका की उम्र बढ़ते ही उसके हिस्से में मां, पत्नी, बुआ, मौसी या ऐसी ही अन्य चरित्र भूमिकाएं आती हैं। पर्दे पर 55-60 साल का नायक अब भी 20-25 साल छोटी नायिका के साथ रोमांस कर सकता है और इसे 'सिनेमाई जादू' कहा जाता है। लेकिन 40-45 साल की अभिनेत्री अगर प्रेम कहानी की केंद्रीय पात्र बनना चाहे तो सवाल उठने लगते हैं। नायक और नायिका की उम्र का यह दोहरा मापदंड हिंदी सिनेमा की उस मानसिकता को सामने लाता है, जिसमें पुरुष की बढ़ती उम्र को आकर्षण और स्त्री की बढ़ती उम्र को सीमा मान लिया जाता है।

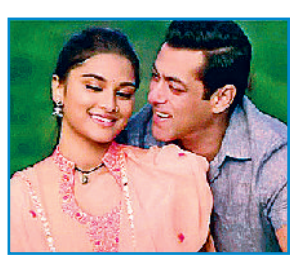
बढ़ती उम्र के बावजूद नायकों की जगह सुरक्षितः देव आनंद से लेकर अमिताभ बच्चन और फिर शाहरुख, सलमान, आमिर तथा अक्षय कुमार तक, उम्रदराज नायकों के लिए रोमांटिक नायक की जगह लंबे समय तक सुरक्षित रही। देव आनंद ने उम्र बढ़ने के बाद भी युवा अभिनेत्रियों के साथ फिल्मों में रोमांस किया। इसे उनकी सदाबहार छवि का हिस्सा माना गया। ऐसे ही 'सूर्यवंशम' में अमिताभ के साथ सौंदर्या की जोड़ी में करीब 30 साल का अंतर था, लेकिन फिल्म मेकर्स, दर्शक और क्रिटिक्स ने इसे सहज रूप से स्वीकार कर लिया।



'सूर्यवंशम' में अमिताभ-सौंदर्या

समय बदला-सोच नहींः 1990 के दशक में खान सितारों के उभार के साथ 'एवरग्रीन नायक' की धारणा और मजबूत हुई। शाहरुख खान की रोमांटिक छवि इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के राज से लेकर बाद की फिल्मों तक उनकी नायिकाओं की पीढ़ियां बदलती रहीं। लेकिन रोमांटिक नायक की उनकी पहचान बनी रही। 'रब ने बना दी जोड़ी' में 40 पार शाहरुख को लगभग 20 साल की अनुष्का शर्मा के साथ जोड़ा गया और कहानी के संदर्भ में इसे सहजता से स्वीकार कर लिया गया। बाद में 'डंकी' में तापसी पन्नू के साथ भी उम्र का अंतर चर्चा में आया। सलमान खान के साथ 'दबंग-3' में सई मांजरेकर, अक्षय कुमार के साथ 'सम्राट पृथ्वीराज' में मानुषी छिल्लर और आमिर खान के साथ 'गजनी' में असिन जैसे कई उदाहरण बताते हैं कि मुख्यधारा का सिनेमा उम्र के इस अंतर को पुरुष सितारे के मामले में असामान्य नहीं मानता। यहां नायक की उम्र अकसर कहानी के पीछे चली जाती है और उसकी स्टार वाली छवि दर्शकों के आगे आ जाती है।

नायिका की उम्र को लेकर अलग मापदंडः अभिनेत्री की उम्र को लेकर बॉलीवुड नजरिया ज्यादा कठोर है। बॉलीवुड में 50-60 साल के अभिनेता के लिए 'अब भी जवान', 'फिट' और 'चार्मिंग' जैसे विशेषण सहज हैं, जबकि बढ़ती उम्र, शादी और मातृत्व के बाद कोई अभिनेत्री अगर रोमांटिक भूमिकाएं करना चाहे तो उसे अकसर उम्र, रूप और निजी जीवन से जुड़े सवालों का सामना करना पड़ता है। हम देखते हैं कि देवानंद की पीढ़ी की कई अभिनेत्रियां जल्दी ही मुख्यधारा की नायिका की दौड़ से बाहर हो गईं। अमिताभ के दौर की रेखा, जया बच्चन और हेमा मालिनी जैसी अभिनेत्रियों के लिए रोमांटिक नायिका या लीड एक्ट्रेस की जगह तेजी से सीमित होती गई।



'दबंग-3' में सलमान-सई मांजरेकर

एक समय 'तेजाब', 'राम लखन', 'दिल', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन' और 'दिल तो पागल है' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों की केंद्रीय नायिका रहीं माधुरी बाद के दौर में अधिकतर चरित्र, मल्टीस्टारर या विशेष भूमिकाओं में दिखाई देने लगीं। उनकी प्रतिभा, लोकप्रियता कायम रहते हुए भी मुख्यधारा की रोमांटिक कहानियों में उनके लिए जगह कम होती गई।

ऐसे ही 'जब वी मेट' और 'ओंकारा' जैसी फिल्मों में केंद्रीय भूमिका निभाने वाली करीना कपूर अब कंटेंट आधारित, पारिवारिक या गंभीर भूमिकाओं में अधिक नजर आती हैं।

कुछ-कुछ बदल रहा सिनेरियोः हालांकि तस्वीर पूरी तरह एकतरफा भी नहीं है। 'इंग्लिश-विंग्लिश', 'क्वीन', 'नीरजा', 'थप्पड़', 'दंगल' और 'पीकू' जैसी फिल्मों ने दिखाया कि महिला पात्रों की उम्र, वैवाहिक स्थिति या पारिवारिक भूमिका उनकी कहानी का अंत नहीं है। मजबूत पटकथा और विश्वसनीय किरदार हों तो दर्शक उम्र से आगे जाकर पात्र से जुड़ते हैं। ओटीटी ने भी अभिनेत्रियों के लिए ऐसी भूमिकाओं के अवसर बढ़ाए हैं, जिनमें उम्र कहानी की बाधा नहीं बनती।

मानसिकता बदलने की जरूरतः समस्या केवल कास्टिंग की नहीं, बल्कि उस सोच की है, जिसमें पुरुष की उम्र बढ़ने के साथ उसका सामाजिक और सिनेमाई मूल्य बढ़ता है, जबकि महिला की युवा छवि को ही उसका सबसे बड़ा आकर्षण मान लिया जाता है। बाजार इसी सोच को दोहराता है और दर्शक उसी दोहराव के अभ्यस्त होते जाते हैं। इस तरह एक सोच बनती है। सिनेमा समाज का दर्पण भी है और उसे प्रभावित करने वाला माध्यम भी। जब पर्दे पर बार-बार यह दिखाया जाता है कि 60 साल का पुरुष 20 साल की लड़की का सहज प्रेमी हो सकता है, लेकिन 40-45 साल की महिला का प्रेम कहानी का केंद्र बनना असामान्य है, तो यह सिर्फ फिल्मी चुनाव नहीं रह जाता। बदलाव तभी आएगा जब कहानी में उम्र को पुरुष, महिला के लिए अलग पैमाने से देखना बंद किया जाए। प्रेम की उम्र नहीं होती। यह बात फिल्मों ने कई बार कही है। अब जरूरत इसे नायक तक सीमित न रखने की है। *